डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 64 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 16 दिसम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

आज ठंड से मिलेगी हल्की राहत

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पिछले एक सप्ताह से अंचल में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। रविवार को जिले में शीत लहर का अलर्ट था। ठंडी हवाओं से शहर कांप उठा था। लेकिन, दोपहर में तेज धूप के कारण ठंड का असर ना के बराबर रहा। वहीं शाम होते ही ठिठुरन बढ़ने लगी थी। लेकिन, आज सोमवार से हल्की राहत मिल सकती है। दिन और रात के तापमान में 2 डिग्री तक की बढ़त देखने को मिल सकती है। हालांकि शीत लहर का असर रहेगा।

रविवार को अधिकतम तापमान 23.5 व न्यूनतम तापमान 7 डिग्री के आसपास बना हुआ रहा। मौसम विभाग ने रविवार के लिए प्रदेश के 36 जिलों में कोल्ड डे का अलर्ट जारी किया था। मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि उत्तर भारत से बर्फीली हवा आ रही है, जो स्ट्रान्ग है। इस वजह से पूरा प्रदेश ठिठुर रहा है। पश्चिम-उत्तर भारत में 12.6 किमी की ऊंचाई पर 222 किमी प्रतिघंटा की गति से सब ट्रॉपिकल जेट स्ट्रीम हवाएं बह रही हैं। इस वजह से बर्फीली हवाएं प्रदेश में आ रही हैं, जिससे टेम्प्रेचर लुढ़क गया है।

फरार ईनामी तस्कर राजू खां गिरफ्तार

गरोठ, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कुख्यात तस्कर राजू खां पठान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उस पर पांच हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस करीब एक साल से उसकी तलाश कर रही थी। राजू खां पिता बाबू खां पठान उम्र 52 साल निवासी बिल्लोद थाना नाहरगढ जिला मंदसौर के खिलाफ थाना गरोठ में अपराध धारा 8/18, 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज था। उस पर 5000 रुपए का इनाम भी पुलिस ने घोषित कर रखा था। उसे उपनिरीक्षक बापू सिंह बामनिया की टीम ने शनिवार को मेलखेड़ा से गिरफ्तार किया। राजू खां अन्य अपराधिक गतिविधियों में भीं संलिप्त रहा है। एक वर्ष से डोडा चोरी एनडीपीएस एक्ट में फरार चल रहा था, जिसे गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी उनि मनोज महाजन, उनि बापुसिंह बामनिया, सउनि बलवानसिंह देवड़ा, आर. बाबुलाल अहीर की भूमिका रही।

मोटरसाइकिल चोर रंगे हाथ धराया, भेजा जैल

भानपुरा, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से पुलिस ने चोरी की बाइक भी जप्त की। पुलिस ने बताया कि नरेश पिता भारमल बंजारा उम्र 25 साल निवासी बिठ्ठलपुरा ने पुलिस को रिपोर्ट दर्ज कराई की अज्ञात बदमाश उसके घर तिजोरी कालोनी भानपुरा से मोटरसाईकिल रजिस्ट्रेशन क्रमांक एमपी-14-एमआर-0586 किमती 55000 रूपये को चोरी कर ले गया। जिस पर अज्ञात आरोपी के विरुद्व थाना भानपुरा पर अपराध धारा 303(2) बीएनएस का पंजीबद्ध किया गया। पुलिस ने अपराध की विवेचना गम्भीरता पूर्वक करने हेतु विशेष टीम बनाई। जिसने घटना स्थल के आस पास के सीसीटीवी फुटेज संग्रहित किये, फरियादी सहित पडोसियो से पुछताछ की गई और मुखबीर को भी सक्रिय किया। विवेचना के दोरान मुखबीर सुचना के आधार पर आदतन आरोपी रामलाल पिता पप्पुलाल मेघवाल निवासी भरत्याखेडी को पुलिस ने गिरफ्तार कर बारिकी व वैज्ञानिक तरीके से पुछताछ की तो आरोपी ने चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया और चोरी की बाइक को अपने घर से बरामद कराई। आरोपी के कब्जे से चोरी गई मो.सा. को जप्त कर आरोपी रामलाल को न्यायालय भानपुरा के समक्ष पेश किया। जहां से जैल वारंट बनाया गया। जिस पर आरोपी को उपजैल गरोठ मे दाखिल किया गया है। प्रकरण मे अनुसंधान जारी है। पुलिस ने बताया कि पकडे गए आरोपी के विरूद्ध थाना भानपुरा पर मारपीट, जान से मारने की धमकी और अवैध हथियार रखने के 04 प्रकरण दर्ज होकर न्याायालय में विचाराधीन है।

ट्रेन की चपेट में आया युवक, मौत

नीमच, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के कैंट थाना क्षेत्र के महावीर नगर के पास रेलवे ट्रैक पर शनिवार रात एक युवक का शव मिला। सूचना मिलते ही मौके पर कैंट, बघाना और नीमच सिटी थाने की पुलिस पहुंची। युवक का शरीर दो हिस्सों में रेलवे ट्रैक पर पड़ा हुआ था। शव को नीमच के बड़े अस्पताल लाया गया। कैंट थाना प्रभारी पुष्पा राठौर ने बताया कि शनिवार रात में रेलवे ट्रैक पर युवक के शव मिलने की सूचना पर टीम मौके पर पहुंची थी। युवक की पहचान अल्केश पिता ओमप्रकाश उम्र 30 वर्ष निवासी हरिजन कॉलोनी के रूप में हुई है। युवक की मौत के बारे में जांच जारी है। जानकारी के मुताबिक, युवक नशे में था। शनिवार रात करीब 7 बजे उसकी मौत की सूचना मिली। प्रथम दृष्ट्या युवक की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है। रविवार सुबह मृतक के शव का बड़े अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

इक्का-मिंडी का सट्टा भी ऑनलाइन..!

सट्टे की जद में युवा और बच्चे

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। इंदौर क्राइम ब्रांच की टीम ने मंदसौर के दलौदा के सात युवको व एक बिहारी की ऑन लाइन सट्टा गैंग को पकड़ा है। ऑन लाइन सट्टे के खेल में जिले के युवा और बच्चे भी फंस रहे है। स्थिति यह है कि मटके वाले इक्का, मिंडी का सट्टा भी ऑनलाइन ऐप स्टाल कर खेला जा सकता है। स्थानीय सटोरियों पर तो पुलिस कप्तान के निर्देश पर लगाम लगाने का प्रयास किया है। लेकिन, इस इस ऑनलाइन मटके पर लगाम लग पाना मुश्किल लग रहा है।

जुआ और सट्टे का कारोबार गली, कूचों या फिर होटलों में चल रहा था, जिस पर पुलिस कार्रवाई भी करती रही है। लेकिन, बीते कुछ सालों में आनलाइन गेमिंग का कारोबार बड़ा आकार ले चुका है। आनलाइन गेम बनाने वाले सट्टा कारोबारी मोबाइल एप के जरिए लोगों तक गेम पहुंचा रहे हैं, जिसे जीतने पर गिफ्ट या नकद धनराशि देने का आफर दिया जा रहा है। इतना ही नहीं, इंटरनेट मीडिया पर खुलेआम इसके विज्ञापन का प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। इसमें कई सेलिब्रिटीज को शामिल किया गया है। आनलाइन खेले जाने वाले इस जुए के खेल में सबसे ज्यादा संलिप्तता युवाओं की है। जो आनलाइन गेम के चक्कर में फंसकर समय और पैसा दोनों गंवा रहे हैं। आनलाइन गेमिंग में सबसे ज्यादा रमी सर्कल, पोकर खेल रहे हैं। लेकिन, इस पर पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती।

आनलाइन गेम के जरिए जुआ खेलने का धंधा घरों तक पहुंच गया है। साइबर एक्सपर्ट की माने तो फेसबुक पर आजकल बहुत सारे गेम्स आ रहे हैं। इन गेम्स को कसीनो गेम्स कहा जाता है। सबसे बड़ी परेशानी यह होती है कि लोगों को इसकी लत लग जाती है, क्योंकि यह मल्टीप्लेयर गेम होते हैं। पाइंट इसमें लोगों को मिलते हैं, हमेशा से यह रहा है कि जो भी गेम मल्टीप्लेयर रहा है। उसमें रियल टाइम यूजर होते हैं। मल्टीप्लेयर होते हैं। वे बहुत ही पापुलर होते हैं। इन गेम्स में भी कुछ ऐसा ही है। लत लगने के कारण पाइंट हारने पर युवा फिर पैसे खर्च कर पाइंट खरीदने को विवश हो जाता है।

10 से लेकर एक लाख रुपये तक का लगा रहे दांव...

रईस टाइप के बेरोजगार युवा और कालेज स्टूडेंट्स इन खेलों में पैसा फूंक रहे हैं। युवतियां तक उनकी गिरफ्त में आ रही हैं। खेल के पहले चरण में 10 रुपये से लेकर 10 हजार रुपये तक दांव लगा सकते हैं। दूसरे चरण में एक लाख तक का गेम खेल सकते हैं। लेकिन, इसमें पाइंट मिलने के बाद भी जीतने की संभावना नहीं रहती। इसके बाद भी स्कूल, कालेज के युवा इन खेलों की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं।

डबल लाईन के लिए- मंदसौर गीता भवन अंडर ब्रिज में डालने के लिए आए ब्लाक को रविवार को क्रेन की मदद से खड़ा किया गया। कुछ दिनों में अंडर ब्रिज में सभी ब्लॉक फिट कर दिए जाएंगे।

मामला ऑटो में बच्चों को क्षमता से अधिक बैठाने का...

अभिभावक और ऑटो चालक दोनों मजबूर

[स्कूलों के वाहन नहीं पहुंच पाते गलियों में]

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर में ऑटो और मैजिक में क्षमता से अधिक स्कूली बच्चों को लाने ले जाने का मामला हमेशा सुर्खियों में रहता है। कई दुर्घटनाए भी सामने आई है। यातायात पुलिस ने भी समय-समय पर कार्रवाई की। लेकिन, यहां ऑटो चालक और अभिभावक दोनों ही मजबूर है। कहीं स्कूलों के पास वाहन कम है तो कहीं वाहन घरों तक नहीं पहुंच पाते।

ऐसे में बच्चों को निजी ऑटो या मैजिक से भेजना मजबूरी है। इधर गाइड लाईन के हिसाब से ऑटो चालक बच्चों को बैठाए तो छह बच्चों में पेट्रोल-डीजल का खर्च भी उन्हें जेब से देना होगा।

आठ सौ रुपए किराया...

मंदसौर शहर में लगभग 10-12 स्कूल हैं, जिनमें अध्ययनरत बच्चों को घर से लाने ले जाने का काम ऑटो व मैजिक में हो रहा है। बच्चों को ऑटो चालक ठूंस-ठूंसकर ले जा रहे हैं। ओवरलोड ऑटो के कारण शिवना पुल पर दो-तीन बार हादसे भी हो चुके हैं। लेकिन, मजबूरी यह है कि अगर गाईड लाईन के हिसाब से छह बच्चों को बैठाया जाए तो आठ सौ रुपए प्रतिमाह के हसाब से करीब पांच हजार ऑटो चालक को मिलेगा। इसमें महिने भर का पेट्रोल-डीजल भी नहीं आएगा। ऐसे में एक दर्जन बच्चों को लाने ले जाने के बाद चालक को कुछ रुपया बचेगा।

अभिभावक की मजबूरी...

बात करें अभिभावक की तो रोजाना बच्चों को स्कूल छोड़ना और लेकर आना हर अभिभावक के लिए संभव नहीं है। गृहणी के लिए यह संभव नही कि दूर-दूर स्थित स्कूलों से बच्चों को लेकर आए और छोड़ने जाए। इधर पिता अपनी ड्यूटी और व्यवसाय के चलते रोजाना इस काम को नहीं कर सकता। ऐसे में ऑटो या मैजिक ही एकमात्र सहारा बन चुका है।

स्कूल संचालक भी मजबूर...

लगभग सभी सीबीएसई और बड़े स्कूल शहर के बाहर है। लगभग सभी के पास अपने वाहन है। लेकिन, शहर में कई जगहों पर स्कूलों के वाहन नहीं पहुंच पाते। स्कूल संचालकों की समस्या यह है कि किसी क्षेत्र में एक या दो बच्चे है तो वहां वाहन पहुंचाने में बच्चे स्कूल तक समय पर नहीं पहुंच पाएंगे। इधर कई मार्ग ऐसे है, जहां बस ले जाना संभव नहीं हो पाता है।

भाजपा ने की ब्लॉक अध्यक्षों की घोषणा

मंदसौर, 15 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी मप्र के निर्वाचन अधिकारी विवेक नारायण शेजवलकर के अनुमोदन एवं रतलाम, मंदसौर, नीमच के पर्यवेक्षक सीताराम यादव की सहमति से देर रात भाजपा जिला मंदसौर में 21 मण्डल में से 20 मण्डल अध्यक्षों की घोषणा की। वहीं दलौदा को होल्ड पर रखा गया है।

मंदसौर मण्डल अध्यक्षों में मंदसौर उत्तर में अरविन्द सारस्वत,

मण्डल प्रतिनिधि पुलकित पटवा, मंदसौर दक्षिण में विनोद डगवार, मण्डल प्रतिनिधि विक्रम भैरवा मंदसौर ग्रामीण में नेपालसिंह, मण्डल प्रतिनिधि विनोद धनगर, मगरामाताजी में गोपाल पाटीदार, मण्डल प्रतिनिधि गोपाल गोयल, मल्हारगढ़ में आशीष विजयवर्गीय, मण्डल प्रतिनिधि जीतु जाट, पिपलियामंडी में राकेश पाटीदार, मण्डल प्रतिनिधि सामंतसिंह शक्तावत, धुंधड़का में राजेश धाकड़, मण्डल प्रतिनिधि देवीलाल सिसोदिया, बूढ़ा में सुनील शर्मा, मण्डल प्रतिनिधि राजेन्द्रसिंह राणा, गुर्जर बर्डिया में भेरुलाल सेन, मण्डल प्रतिनिधि जीवन शर्मा, सीतामऊ में जितेन्द्र बामनिया, मण्डल प्रतिनिधि लालसिंह, सीतामऊ ग्रामीण में धनसुख पाटीदार, मण्डल प्रतिनिधि ओमप्रकाश परमार, शामगढ़ में श्रीमती नीलकमल मेहता, मण्डल प्रतिनिधि धीरज संघवी, सुवासरा में दिलीप सिंह, मण्डल प्रतिनिधि नेपालसिंह, कयामपुर में महेन्द्र गौड़, मण्डल प्रतिनिधि भारत डांगी, बसई में जुझारसिंह गुर्जर, मण्डल प्रतिनिधि प्रहलादसिंह, भानपुरा में आदित्य मगरोलिया, मण्डल प्रतिनिधि अभिषेक मांदलिया, गरोठ में गोकुलसिंह, मण्डल प्रतिनिधि उमरावसिंह चौहान, मेलखेड़ा में महेन्द्र पहाड़िया, मण्डल प्रतिनिधि राजमल सुरावत, भैसोदा में उमेश पाटीदार, मण्डल प्रतिनिधि सौदान गुर्जर, खड़ावदा में सीताराम चारण, मण्डल प्रतिनिधि चंद्रप्रकाश पाण्डा नियुक्त किये गए है।

विंग ने पकड़ा पिकअप से डोडाचूरा, एक गिरफ्तार

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस की नारकोटिक्स विंग ने एक पिकअप से 31 किलो से ज्यादा डोडाचुरा पकड़ा हैं। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया हैं, जिससे पूछताछ की जा रही हैं।

नारकोटिक्स विंग टीआई राकेश चौधरी के मुताबिक मुखबीर सूचना पर राजस्थान पासिंग महिंद्रा बोलेरो पिकअप को रोका गया। पिकअप चालक ने अपना नाम भजनलाल पिता मोहन लाल बिश्नोई निवासी आमली साचोर राजस्थान बताया। गाड़ी की तलाशी में स्कीम से ले जाया जा रहा 31.270 किलो डोडाचुरा मिला। मामले में पुलिस ने आरोपी भजनलाल के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की हैं। आरोपी को आज सोमवार को न्यायालय में पेश कर रिमांड लिया जायेगा।

गौवंश तस्करों और अवैध हथियारों की सर्चिंग...

तलवारें और चाकू मिले

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गौवंश तस्करों एवं अवैध हथियारों के विरुद्ध चलाई जा रही मुहिम के तहत शहर के तीनों थानो थाना वायडी नगर प्रभारी निरीक्षक संदीप सिंह मंगोलिया, थाना शहर कोतवाली पुष्पेन्द्र सिह राठौड, थाना नई आबादी प्रभारी वरुण तिवारी के नेतृत्व में टीम गठीत की गई। टीम ने ग्राम मुल्तानपुरा मे गौवंश की अवैध तस्करी करने वाले तस्करों एवं लिस्टेड गुण्डे बदमाशो के घर दबिश दी। सर्चिंग के दौरान पुलिस टीम ने दो आरोपीयों को गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से 02 तलवार एवं धारदार छुर्रे जप्त किये गए। आरोपियो के विरुद्ध आर्मस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबध्द किया गया।

जन कल्याण पर्व, आज होगी पुलिस बेण्ड की प्रस्तुति- आज 16 दिसंबर को मध्यप्रदेश सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर चल रहे मुख्यमंत्री जनकल्याण पर्व के अंतर्गत विजय दिवस मनाया जाएगा जिसके तहत दोपहर तीन बजे से चार बजे तक मंदसौर शहर के गांधी चौराहा पर पुलिस बैंड की प्रस्तुति होगी। उसी की तैयारियों के लिए रविवार को पुलिस लाइन में पुलिस बैंड की प्रैक्टिस की गई। कार्यक्रम को लेकर गांधी चौराहा पर स्थल निरीक्षण किया गया।

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की साख लगातार घट रही है..!

मंदसौर/उज्जैन, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों के उद्बोधन से जो आरोप प्रत्यारोप के चलते वातावरण बन कर बाहर आ रहा है। उसके प्रति अब जनमानस जागरूक होकर सुनने मनन करने लगा है और अपने-अपने समूह में अपनी राय भी देने लगा है। इस तरह का आम परिवर्तन इसलिए भी नजर आ रहा है कि बीते दशक में एनडीए सरकार के सांसदों की संख्या इतना बहुमत लिए हुई थी कि विपक्ष की आवाज नक्कारखाने में तूती जैसी गूंजती थी। जब संसद भवन की दीवारों तक भी यह गूंज नहीं पहुंच पाती थी तो जनमत तक कैसे पहुंचती, इसीलिए उस दौरान जन चर्चा का विषय नहीं बन पाती थी।

यह भी सच है कि एक दशक जितना समय राजतंत्र से लेकर लोकतंत्र तक बहुत लंबा समय माना जाता है, इसका इतिहास भी साक्षी है। इसी कारण 2014 से 24 तक पंगु मजबूर विपक्ष के कारण एनडीए सरकार को चलाने वालों को वर्तमान की तरह मजबूत विपक्ष के बगैर काम करने की आदत हो चली थी। इसी कारण सरकार के मुखिया से लेकर विभागीय तंत्रों में कसमासाहट साफ देखी जा रही है। सरकार के मुखिया में कुछ ज्यादा ही कसमसाहट का असर नजर आ रहा है। कारण साफ है कि

चन्द्रमोहन भगत

गुजरात राज्य में अक्टूबर 2001 से मई 2014 तक कमजोर विपक्ष के सामने मुख्यमंत्री बने रहने के बाद केंद्र में 10 साल बगैर नेता विपक्ष के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। जाहिर है 22 सालों तक स्वतंत्र शासक की तरह एकल नेतृत्व की तरह सरकार चलाने और काम करने की आदत डाल दी है। अब जब सामने मजबूत विपक्ष है और लगातार सरकार की घोषणा और निर्णय पर अपने अधिकारों के साथ सवाल खड़े कर रहा है तो सरकार की कसमसाहट सबको नजर आ रही है।

विपक्ष के मजबूत होने से सत्ता शीर्ष नेतृत्व वाली भाजपा की नींव तक हिलती नजर आने लगी है। यह लक्षण बहुमत मिलने के बाद महाराष्ट्र की सरकार बनाने में नजर आया है। 22 दिन बाद खबर लिखे जाने तक सिर्फ मुख्यमंत्री और दो मुख्यमंत्री ने खाली शपथ ली थी। बगैर विभागों के और मंत्रियों के नाम का चयन भी होना और विभाग बटना बाकी था। हालंकि, रविवार शाम महाराष्ट्र मंत्री मंडल का विस्तार हो गया। किन्तु, इतना लंबा 22 दिन का समय खिंच जाना नेतृत्व की क्षमता पर सवाल उठा रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने और महाराष्ट्र में स्पष्ट बहुमत पाने के बाद भी पहले तो विधायक दल का नेता चुनने में 12 दिन लगे। और दस दिन मंत्री चयन में लग गए हैं, इसीलिए अब तो यह भी कहा जा रहा है कि मंत्री बन जाए तो उसके बाद कहीं विभाग बंटवारे में भी ऐसे ही समय न लग जाए! राजनीतिको में यह चर्चा भी होने लगी है कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ कोई कार्यकर्ता बोलना तो दूर सोचने की हिम्मत भी नहीं नहीं कर पाता था, आज यह सार्वजनिक हो रहा है महाराष्ट्र में कि उनके अपने कार्यकर्ता अनसुना कर गए और सहयोगी दल तो अकड़ भी रहे हैं।

विचार-मंथन

यूएन में युद्ध विराम को लेकर प्रस्ताव पारित

इजराइल और हमास के बीच युद्ध की शुरुआत हुए एक वर्ष से ज्यादा बीत चुके हैं। हमास के हमले के जवाब के नाम पर शुरू हुए इजराइली आक्रमण अब भी जारी हैं और उसके खत्म होने का कोई सिरा फिलहाल नहीं दिख रहा है। यह स्थिति तब भी कायम है जब दुनिया के ज्यादातर देश युद्ध को तुरंत खत्म करने की मांग कर रहे हैं। इस क्रम में बुधवार को भी संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसके तहत गाजा में तत्काल युद्धविराम लागू किए जाने की मांग की गई है। साथ ही हमास और फिलिस्तीनी गुटों की हिरासत में रखे गए बंधकों की रिहाई के लिए भी कदम उठाने को कहा गया है। एक अन्य प्रस्ताव में इजराइल से फिलिस्तानी शरणार्थियों की मदद के लिए संयुक्त राष्ट्र एजंसी पर से प्रतिबंध हटाने की भी मांग की गई है। युद्ध विराम के प्रस्ताव के समर्थन में एक सौ अट्ठावन मत पड़े, जबकि विरोध में केवल नौ मत। जाहिर है, कुछ देशों को छोड़ कर दुनिया के ज्यादातर देश युद्ध के विरुद्ध हैं और ऐसी स्थिति में इजराइल को भी इस पर विचार करने की जरूरत है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष अक्तूबर की शुरुआत में इजराइली सीमा के भीतर हमास के हमले में करीब बारह सौ लोगों के मारे जाने के बाद उसके जवाब में इजराइल ने गाजा पर हमला किया था, जिसमें तब से अब तक बयालीस हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इजराइल की दलील अब भी यही है कि वह हमास के आतंकियों का सफाया कर देगा। सवाल है कि जितने लोगों की जान अब तक जा चुकी है, उनमें से कितने वास्तव में हमास या उससे जुड़े आतंकी थे! यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि मारे जाने वालों में गिनती के कुछ को छोड़ दिया जाए तो आमतौर पर सभी गाजा में रहने वाले आम लोग थे, जिनका युद्ध से कोई वास्ता नहीं था। अपने लिए इंसाफ की इच्छा करते और दलील देते हुए इजराइल ने जिस तरह गाजा पर हमले के क्रम में अंतरराष्ट्रीय कानूनों को ताक पर रख कर अस्पतालों और शरण-स्थलों तक को नहीं बख्शा, महिलाओं से लेकर छोटे मासूम बच्चों तक तक मारे गए, उससे यही लग रहा है कि अब इजराइल एकतरफा युद्ध कर रहा है। उसे दुनिया के तमाम देशों सहित संयुक्त राष्ट्र तक की ओर से युद्ध खत्म करने की औपचारिक रूप से की गई मांग पर भी विचार करना जरूरी नहीं लगता। दुनिया में लोकतंत्र के सभी पैरोकार बिना किसी सवाल के यह मानते हैं कि युद्ध किसी समस्या का हल नहीं हो सकता। मगर इसके समांतर से दो या इससे ज्यादा देशों के बीच किसी ऐसे मसले पर युद्ध की शुरुआत हो जाती है जिसे बातचीत के जरिए सुलझाया जा सकता था। इसके बाद होता यही है कि युद्ध में शामिल देशों में होने वाले हमलों में आमतौर पर ऐसे लोग मारे जाते हैं, जिनका युद्ध से कोई लेना-देना नहीं होता। इसमें बच्चों और महिलाओं तक को नहीं छोड़ा जाता। विचित्र यह है कि इस तरह के टकराव में शामिल पक्ष आमतौर पर अपने पक्ष को न्याय और शांति का पैरोकार बताते हैं, जबकि अगर वे खुद युद्ध में शामिल एक पक्ष होते हैं तो उनके हमले में हजारों निर्दोष लोग मारे जाते हैं। गाजा में अब तक जितनी बड़ी तबाही हो चुकी है, वह मानवीयता के खिलाफ एक बड़ी त्रासदी है। इस लिहाज से संयुक्त राष्ट्र में जिस तरह तत्काल युद्ध विराम के समर्थन में दुनिया के ज्यादातर देशों ने मतदान किया, उसके मद्देनजर इजराइल को अब अपने अहं को छोड़ने की जरूरत है।

सीरिया के पतन से ईरान और रूस को नुकसान, जबकि इजराइल को खुली छूट

बिलाल भट

दमिश्क का पतन काबुल, ढाका और कोलंबो के पतन की याद दिलाता है, जहां राष्ट्राध्यक्षों को अपने देश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था, ठीक उसी तरह जैसे बशर अल असद सीरिया से भागकर रूस में शरण लेने के लिए भागे। असद शासन और सशस्त्र समूहों के बीच लंबा और खूनी संघर्ष 8 दिसंबर को सीरियाई सरकार के पतन के साथ समाप्त हो गया, जब सशस्त्र प्रतिरोध समूहों ने दमिश्क पर कब्जा कर लिया, जिससे असद को रूस भागना पड़ा, जहां उनके लंबे समय के सहयोगी व्लादिमीर पुतिन ने उन्हें शरण दी। सीरिया की वर्तमान स्थिति की तुलना श्रीलंका और बांग्लादेश से की जा सकती है, जहां बड़े पैमाने पर रैलियों ने सरकारों को उखाड़ फेंका और छात्र नेतृत्व ने देश पर नियंत्रण कर लिया, या अफगानिस्तान से जहां दोहा समझौते के परिणामस्वरूप तालिबान ने संकटग्रस्त देश पर कब्जा कर लिया। हालांकि, करीब से देखने पर पता चलता है कि संघर्ष की रूपरेखा कितनी व्यापक है और यह सिर्फ एक अत्याचारी शासक के खिलाफ लोगों की लड़ाई नहीं है। सीरियाई प्रतिरोध 2011 के बड़े पैमाने पर विद्रोह का अनुवर्ती था, जो असद शासन द्वारा विद्रोह को दबाने के बाद हिंसक हो गया था। प्रदर्शनकारियों को जेल भेज दिया गया और उन्हें प्रताड़ित किया गया। उनमें से बहुत से बिना किसी निशान के गायब हो गए। कई आंदोलनकारियों ने शासन के खिलाफ हथियार उठाए, जिनमें से ज्यादातर पूर्व सैनिक थे। अल-कायदा के सदस्यों ने प्रतिरोध बलों में शामिल होकर आंदोलन को आतंकवाद के रूप में चित्रित किया, जिससे सीरियाई प्रतिरोध को पड़ोसी देशों से खुले समर्थन की कम गुंजाइश रह गई। इस बीच, कई शक्तिशाली देशों ने मध्य पूर्व में अपना प्रभुत्व दिखाने का प्रयास किया। इजराइल के खिलाफ संघर्ष को बढ़ावा देने वाली ताकतें असद तानाशाही, लेबनानी हिज्बुल्लाह और ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स थीं। असद शासन के तहत, सीरिया में हालात गंभीर रहे, खासकर इजरायल-हमास संघर्ष के बाद, जिसका लेबनान की अर्थव्यवस्था और ईरान की अर्थव्यवस्था दोनों पर गंभीर प्रभाव पड़ा, जो पश्चिम एशिया में इजराइल विरोधी प्रतिरोध का एक प्रमुख समर्थक है। चूंकि असद अपने सैन्य टुकड़ियों को वेतन देने में असमर्थ थे, इसलिए विपक्षी समूहों ने ताकत हासिल की और एक समन्वित हमला किया। असद को 50 से अधिक वर्षों के राजवंशीय शासन छोड़ भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। सीरिया सेना पर सभी पक्षों से एक साथ हमला किया, जिसकी शुरुआत अलेप्पो, इदलिब से हुई, समा के माध्यम से जारी रही और अंत में दमिश्क को नियंत्रित किया। पिछले हफ्ते सीरिया पर कब्जा करने के दौरान विपक्षी ताकतों को या तो कोई प्रतिरोध नहीं या बहुत कम प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। देश का सबसे बड़ा सशस्त्र समूह हयात तहरीर अल शाम था, जिसने दमिश्क सहित देश के प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों पर नियंत्रण कर लिया। सीरिया में जिस तरह से हालात सामने आए हैं और पश्चिम की इस पर प्रतिक्रिया को देखते हुए, कोई भी यह तर्क दे सकता है कि यह स्थिति पश्चिम को मध्य पूर्व में रणनीतिक लाभ प्रदान करती है, क्योंकि ईरान को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। असद शासन का पतन प्रतिरोध की धुरी के लिए एक बड़ा झटका है, जो तेहरान की दशकों पुरानी रणनीति है जो क्षेत्र के चारों ओर आतंकवादी समूहों और प्रॉक्सी का समर्थन करती है। असद के अधीन सीरिया पूरे पश्चिम एशिया में इजराइल के खिलाफ प्रतिरोध को जारी रखने के लिए जो कुछ भी आवश्यक था, उसका समर्थन करने में एक प्रमुख खिलाड़ी था। दमिश्क ने आईआरजी और हिजबुल्लाह और असद शासन के बीच एक प्रमुख कड़ी बनाए रखी। देश पर शासन करने के उनके निरंकुश तरीके को जानते हुए भी लोकप्रिय विद्रोह के खिलाफ असद का समर्थन करने का ईरान का निर्णय एक दोषपूर्ण खेल था। ईरान और हिजबुल्लाह को असद के शासन द्वारा सीरियाई लोगों पर किए गए अत्याचार के समर्थक के रूप में माना जाता था, जबकि प्रतिरोध को दबा दिया गया था। ईरान द्वारा असद तानाशाही को भारी और बिना शर्त समर्थन दिखाने के बाद फिलिस्तीन का मुद्दा सुन्नी और शिया देशों के बीच विभाजित हो गया। इजराइल के आसपास के शिया राष्ट्र इजराइली सेना के खिलाफ एक्टिव थे, जबकि अरब विशेष रूप से सुन्नी देशों ने फिलिस्तीन के मुद्दे को सीमित समर्थन दिखाया। इजराइल और अमेरिका ने स्थिति का अंदाजा लगाया और एचटीएस नेतृत्व के प्रति लचीला रुख अपनाया, जैसा उन्होंने तालिबान नेतृत्व के साथ किया था, हालांकि दोनों ही आतंकवाद की उनकी सबसे वांछित सूची में पहले से ही थे। जो बाइडेन ने दमिश्क के एचटीएस के हाथों में जाने के तुरंत बाद एक बयान में कहा कि अमेरिका सीरिया में स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है और अबू मोहम्मद अल जुलानी के नाम से काम करने वाले अहमद अल शरा द्वारा दिए गए बयान के आलोक में एचटीएस नेतृत्व का संकेत दिया। इसके अतिरिक्त, बाइडेन ने एक टिप्पणी भी की जिसमें उन्होंने उल्लेख किया कि अमेरिका कुछ सीरियाई समूहों का समर्थन करता है। जिस तरह से इजराइल के साथ सीमाओं पर चीजें सामने आ रही हैं, उससे पता चलता है कि असद शासन के खिलाफ समन्वित हमले से पहले बैकचैनल चर्चा हो सकती है। देश के भीतर एकीकृत ताकतों का उदय - जिसने पहले ही एक इंजीनियर से राजनेता बने व्यक्ति को अपना अंतरिम प्रधानमंत्री नियुक्त कर दिया है - सीधे तौर पर इजराइल, तुर्की, रूस, ईरान और अमेरिका से प्रभावित है, और उन्हें अपने आस-पास के शक्तिशाली देशों के बीच फंसने से पहले एक अस्तित्व की रणनीति बनानी होगी। रूस और ईरान दोनों एक ही तीर से मारे गए हैं, जबकि इजराइल को सीरिया की सीमाओं पर खुली छूट मिली हुई है। सीरिया पर कब्जा करने वाली ताकतों को अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह समझाने के लिए अपनी शक्ति और सूझबूझ का प्रदर्शन करना होगा कि वे इस क्षेत्र में स्थिरता वापस ला सकते हैं। हालांकि, यह देखना बाकी है कि सीरिया अफगानिस्तान के रास्ते पर चलता है या सरकार बनाने के लिए लोकतांत्रिक तरीके को अपनाने का फैसला करता है।

ज्ञान, रीढ़ की हड्डी की तरह करता है कार्य

अशोक कुमार

दुनिया में जिस भी विषय पर चिंतन, सिद्धांत, आविष्कार आदि निरूपित किए गए, वे सभी जिज्ञासा की कोख की ही देन कही जा सकती है। व्यक्ति की किसी संदर्भ को गहराई से जानने की आतुरता जिज्ञासा में परिणत हो जाती है। संसार के लेखक, दार्शनिक, कवि, वैज्ञानिकों के मस्तिष्क में जब जिज्ञासा की तरंगों ने अपनी पहचान बनाई होगी, तभी समाज को विभिन्न कोटि के लेख, साहित्य, कविता, दर्शनशास्त्र, वैज्ञानिक आविष्कार आदि ने मूर्त-रूप लिया होगा। एक प्रकार से कल्पना के प्रस्थान बिंदु को जिज्ञासा का उदगम स्थल कहा जा सकता है। जिज्ञासु प्रवृत्ति के व्यक्ति सदैव अपनी सक्रियता बोध के सहारे कुछ न कुछ जानने-सीखने की विधा में क्रियाशील रहते हैं। प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक प्लेटो के अध्ययन कक्ष में हमेशा विद्वानों का जमघट लगा रहता था जो प्लेटो से सदैव कुछ नया विचार ग्रहण करने के लिए तत्पर रहते थे। यह विचित्र है कि प्लेटो कभी अपने को ज्ञानी नहीं समझते थे और वे खुद सदा कुछ नया सोचने-विचारने में व्यस्त रहते थे। कभी-कभी तो वे छोटे बच्चों और युवकों से भी कुछ सीखने के लिए उनमें घुल-मिल जाते थे। प्लेटो की इस आदत पर उनके एक परम मित्र ने उनसे प्रश्न किया कि 'आप इतने विख्यात दार्शनिक हैं, विश्व के प्रतिष्ठित तर्कशास्त्रियों में आपकी गणना होती है, फिर भी आप किसी भी बड़े या छोटे से गुण ग्रहण करने और कुछ नया सीखने के लिए हमेशा उत्सुक क्यों रहते हैं। आप तो दूसरों का स्वयं मार्गदर्शन करते हैं, फिर आपको सीखने या जानने की भला क्या जरूरत है। कहीं आप लोगों को खुश करने के लिए तो उनसे सीखने का दिखावा नहीं करते।' अपने मित्र के भोलेपन पर प्लेटो हंसे फिर उन्होंने कहा- 'मेरे मित्र, प्रत्येक व्यक्ति के पास कुछ न कुछ ऐसे उत्तम गुण हैं जो अन्य के पास नहीं होता। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति में दूसरे से सीखने की जिज्ञासा होनी चाहिए। जब तक व्यक्ति दूसरों से सीखने-समझने में झिझक या संकोच करेगा तब तक वह बहुत से अच्छे ज्ञान से वंचित ही रहेगा।' विचारणीय है कि जिज्ञासा की उत्पत्ति का स्रोत क्या है। कई चिंतकों का मानना है कि यह प्रवृत्ति ज्ञानकोश से उत्पन्न होती है। जैसा कि विदित है कि मनुष्य के लिए ज्ञान उसकी रीढ़ की हड्डी की तरह कार्य करता है, क्योंकि इसे मानव शरीर का तृतीय नेत्र भी कहा गया है। ज्ञान व्यक्ति को अंधकार से प्रकाश की ओर जब उन्मुख करता है तो उसमें कल्पना और जिज्ञासा जैसी प्रवृत्ति मूल रूप से प्रभावित करती है। यों कहें कि हमारी उत्कट जिज्ञासा ही ज्ञान का दर्पण तैयार करती है। जिज्ञासा सीखने की सतत प्रक्रिया में महत्वपूर्ण जन्मजात प्रवृत्तियों में से यह एक मुख्य है, जिसमें उम्र सीमा बाधक नहीं बनती है। मनोवैज्ञानिकों का कथन है कि जिज्ञासा व्यक्ति के आंतरिक स्वभाव के मनोभावों का वह समूह या उत्सुकता की वह अवस्था है, जिसमें मनुष्य किसी वस्तु या घटना को, जो उसके लिए अप्रत्यक्ष हो, जानने के लिए बेसब्र रहता है। किसी छविगृह में कोई प्रेरक चलचित्र के प्रदर्शन के बाद उसकी सकारात्मक चर्चा समाज में जब होने लगती है तो सामान्य दर्शक उस चलचित्र के भाव को जानने को उत्सुक हो जाते हैं और उनके कदम चलचित्र गृह की ओर बढ़ने लगते हैं। व्यक्ति का अपने निजी विचारों के अनुसार जिज्ञासु होना भी एक गुण है जो अनवरत कल्पनाओं के सृजन में डूबा रहता है। कभी-कभी वह ऐसी स्थिति में मग्न हो जाता है कि चिंतनशीलता के चैतन्य में भाव-विभोर हो जाता है। वर्तमान समय में जो प्रतिबद्ध जिज्ञासु हैं, वही भविष्य में किसी सिद्धांत का प्रतिपादन कर सकेंगे या वैज्ञानिक की श्रेणी धारण कर सकते हैं। ऐसा भी देखा गया है कि समाज में अधिकांश व्यक्ति जो जिज्ञासा से मुक्त हैं, वे अपनी दैनंदिनी में एकदम शांत और सरल हैं। ऐसे कई लोग यथास्थितिवाद के राही होते हैं जो न कुछ सीख सकते हैं और न किसी को कुछ सिखा सकते हैं। शिक्षण संस्थाओं में यह आमतौर पर देखा गया है कि वर्ग में पढ़ा रहे शिक्षकगण से कुछ ही विद्यार्थी प्रश्न पूछते हैं जो उनकी जिज्ञासा भाव का प्रमाण है, जबकि अधिकतर विद्यार्थी शांत रहते हैं। सहज रूप में समझा जा सकता है कि जब शिक्षार्थी अपने शिक्षक से कोई प्रश्न नहीं पूछेंगे तो आखिर उनके पाठ्यक्रम के अध्याय को सही तरीके से समझने और अच्छी परीक्षा देने का सामर्थ्य कहां से आएगा। जिज्ञासा से ज्ञान और ज्ञान से सामर्थ्यवान होकर व्यक्ति अपनी जीवन यात्रा को सफल कर पाता है। मनुष्य के भीतर की जिज्ञासा ही उसे नूतन पथ पर चलने की प्रेरणा प्रदान करती है। और उसके मन के अंदर कुछ नया करने का जोश एवं जज्बा नहीं होगा।

जागो और जागरूक जीवन जिओ

अगर हम कुछ नहीं जानते तो हम यह जानते हुए पूरा जीवन निकाल सकते हैं कि हम सब कुछ जानते हैं। लेकिन अगर हम वाकई जानते हैं तो हम यह मानेंगे कि हम कुछ नहीं जानते और पूरा जीवन कुछ सीखने की प्रयास करते रहेंगे। दुनिया में ज्यादातर लोग इस भ्रम का शिकार हैं कि वे सबकुछ जानते हैं। क्योंकि कुछ न जानते हुए भी उन्हें लगता है कि वे सबकुछ जानते हैं इसलिए वे हमेशा टकराव में बने रहते हैं। उनके साथ भी जो उनकी तरह कुछ नहीं जानते और समझते हैं कि सब जानते हैं और उनके साथ भी जो वाकई जानते हैं। ज्ञान की आंखों के खुलने का पहला प्रमाण यह अनुभूति है कि हम कुछ नहीं जानते। एक बार एक व्यक्ति एक जेन साधु के पास पहुंचा। वह उस साधु से बहुत कुछ सीखना चाहता था। कुछ देर बातचीत के बाद जेन साधु ने अपने उस मेहमान के लिए चाय मंगाई और वह केतली से कप में चाय उड़लने लगे। कप भर गया लेकिन फिर भी वे चाय उड़लते रहे। यह देखकर उस व्यक्ति के मुंह से निकला- अरे रे रे, ये क्या कर रहे हैं साधु महाराज। कप तो भर चुका है। अब आप उसमें चाय क्यों डालते जा रहे हैं। उसकी बात सुनकर साधु रुके और बोले- यह मानते हो न कि कप में चाय डालने के लिए जरूरी है कि कप में जगह रहे। भरे हुए कप में चाय डालने से वह बाहर ही गिरेगी। यही बात मैं तुम्हें बताना चाहता था कि अगर मुझसे ज्ञान पाना चाहते हो, तो अपना दिमाग खाली करके आओ। उसमें पहले ही बहुत सारा ज्ञान भरा हुआ है। इस भरे दिमाग में मैं जो भी ज्ञान दूंगा वह बाहर ही गिरेगा। जिसने भी अपने जीवन को जाना उसने जागने की बात की। जागने की क्रिया शुरू ही इस अहसास से होती है कि हम कुछ नहीं जानते। इस संसार में लोग कई-कई तरह की बेहोशी के मारे हैं। किसी को अपने शारीरिक सौष्ठव का नशा है। वह शरीर को ही सबकुछ मानने की बेहोशी में जीवन जिए जा रहा है। किसी को अपने खानदान के मान-सम्मान, उसकी धन-संपदा का नशा है। वह मान-सम्मान और धन-संपदा की बेहोशी में जिए जा रहा है। किसी को अपने ताकतवर पद का नशा है। वह पद की बेहोशी में जिए जा रहा है। यह अधूरा जीवन है। जब तक आप हर तरह के नशों से, हर तरह की बेहोशी से मुक्त नहीं हो जाते, तब तक आप अधूरा जीवन जीते हैं। जीवन का कमल जब पूरी तरह खिल जाता है, तो उसकी सुंदरता ही कुछ और हो जाती है। वह इतना सुंदर होता है कि सारी आंखें उसी ओर उठने लगती हैं। एक जागा हुआ जीवन जिम्मेदारियों से भरा हुआ जीवन होता है। अपने प्रति जिम्मेदारी। अपने से जुड़े लोगों के प्रति जिम्मेदारी। समाज, राष्ट्र और इस पृथ्वी के प्रति जिम्मेदारी। बुद्ध इस हद तक का जागा हुआ जीवन जीना चाहते थे कि एक बार आनंद के साथ चलते हुए अचानक एक मक्खी उनके चेहरे के आगे आकर भिनभिनाई तो उन्होंने झटके से हाथ से उसे उड़ा दिया। कुछ आगे जाने के बाद उन्होंने मक्खी उड़ाने का फिर से वही एक्शन किया पर इस बार हाथ को बहुत धीमे से उठाकर घुमाया। आनंद ने देखा तो पूछा- हे बुद्ध, पहले तो आपने मक्खी उड़ाने के लिए हाथ घुमाया था, पर अभी तो कोई मक्खी न आई थी, फिर क्यों हाथ घुमाया। बुद्ध बोले- जब मक्खी आई तो मैंने अनायास बेहोशी में हाथ हिला दिया। मैं जरा होश में और पूरे बोध में रहकर हाथ हिलाने का अभ्यास कर रहा था। आज इसी बोधपूर्ण, इसी जागरूक जीवन की जरूरत है। एक बार जीवन में ऐसा जागरण आ गया, तो अपने आप सारी मुश्किलें, सारी समस्याएं दूर होने लगेंगी। और यह लाभ सिर्फ आप तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि आपसे जुड़े लोगों और जगत तक भी पहुंचेगा। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

अल्लू अर्जुन को नहीं मिला जेल में वीआईपी ट्रीटमेंट फर्श पर सोए सारी रात, खाना भी नहीं खाया

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5448

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5447

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

वर्ग पहेली 5448

संकेत: बाएं से दाएं

1. 2000 को ऑस्ट्रेलिया में यहां 27 वें ओलम्पिक खेलों का शुभारंभ हुआ (3)
3. इस देश को साउथवेस्ट अफ्रीका कहा जाता था (4)
6. समय का अत्यंत छोटा भाग (2)
7. राष्ट्र, देश, मुल्क (3)
10. पुरानी फिल्मों के प्रसिद्ध गीतकार जिनका मूल नाम अब्दुल हयी था (8)
15. सिक्खों धर्मगुरु यह कहलाते हैं (2)
16. मधुर, स्वर्ण (3)
17. प्रकार, जेवर, आभूषण (3)
19. मशगूल, काम में लगा हुआ (2)
20. देह, शरीर, काया, बदन (2)
21. मुस्कान, आसानी, सुख, चैन (3)
22. यह नॉर्डिक देशों में सबसे बड़ा देश जिसकी राजधानी स्टाकहोम है (3)
23. पूर्ति साधन, वह जो किया जाए (2)

संकेत: ऊपर से नीचे

1. सेनाध्यक्ष, सेनानी, कमांडर, सेनापति (6)
2. कश्मीर की प्रसिद्ध झील (2)
3. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
4. मछली, मत्स्य, बारह राशियों में से एक (2)
5. एक पहर, तीन घंटे का समय (2)
8. मयूर, हमारा राष्ट्रीय पक्षी (2)
9. इस देश की राजधानी मैड्रिड है (2)
11. अविवेक, मूढ़ता, नासमझी, विवेकहीनता (4)
12. स्टील (अंग्रेजी), इस्पात (2)
13. शास्त्रीय संगीत में तबले आदि का बोल (2)
14. हिमालय के पर्वतीय क्षेत्र में पाया जाने वाला एक जंगली बैल (2)
18. विद्वान व्यक्ति, ज्ञानी (3)
19. प्रक्षालनकर्मी, प्रक्षालक, मैले वस्त्र साफ करने वाला (3)
21. हुनर, कला, आर्ट, गुण (2)

वर्ग पहेली 5447 का हल

[illegible]	म	[illegible]	ठ	म	ला	ली	
म	न		ह	म	ला	य	र
डा	न	वी	र		अ		ह
स			ना	यक	ग	वा	[illegible]
	आ			ग	ट	म	[illegible]
फा	त		म	दी	ना		
जु	म	रा	ह		य	म	ना
न	न		ल	क्ष		ला	स

पचास लाख रू. के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन सम्पन्न

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। रविवार को नगरपालिका परिषद मंदसौर के द्वारा वार्ड नं. 23 (शहर क्षेत्र) में लगभग 50 लाख रू. की लागत से होने वाले दो निर्माण कार्यों की भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। वार्ड नं. 23 के मस्तान शाह दरगाह वाले रोड़ व उसके आसपास की गलियों में लगभग 23 लाख रू. की लागत से होने वाले सीमेंट क्रांकीट रोड़ व बण्डीजी के बाग के पीछे क्षेत्र में लगभग 27 लाख रू. की लागत से बनने वाले नाले के निर्माण कार्य का भूमिपूजन नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने किया। इस अवसर पर नपा उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, नपा लोक निर्माण समिति सभापति श्रीमती निर्मला नरेश चंदवानी, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती रेखा राजेश सोनी ऐरावाला, नपा जलकार्य सभापति निलेश जैन, पार्षदगण दीपक गाजवा, कमलेश सिसौदिया, गोवर्धन कुमावत, भावना जयप्रकाश पमनानी, पार्षद प्रतिनिधि राजेश सोनी ऐरावाला, युसुफ नीलगर, भजपा नेता सुरेश देवड़ा, प्रदीप गुप्ता, बब्बू पमनानी, क्षेत्रीय नागरिकगण सर्वश्री रवि सोनी, राहुल सोनी, प्रदीप सोनी, सुरे माली, राकेश रेठुदिया, भरत देवड़ा, असलम भाई, अमन सिंह चौहान, हर्ष कोड़ावत, शादाब अली, इरफान अली, मनोज लोठिया, अजय कोड़ावत, शानु कोड़ावत रोहित कोड़ावत, शादाब अली, इरफान अली, हीरालाल लोठिया, फरदीन खान आदि गणमान्य नागरिकगण उपस्थित थे।

नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने इस अवसर पर कहा कि वार्ड नं. 23 के लोकप्रिय पार्षद श्रीमती रेखा राजेश सोनी नपा में लगातार प्रयासरत रही ह कि ये दोनों निर्माण कार्य जल्द शुरू हो जाये आज यह शुभ अवसर आया है कि दोनों निर्माण कार्यों के लिये भूमिपूजन हो रहा है। कार्यक्रम का संचालन रेखा सोनी ऐरावाला पार्षद ने किया। कार्यक्रम के अंत में आभार पार्षद प्रतिनिधि राजेश सोनी ऐरावाला ने माना।

वार्ड नं. 33 में डामरीकरण कार्य का हुआ भूमिपूजन–खानपुरा वार्ड नं. 33 स्थित बाकडी फार्म क्षेत्र के लोगों की आवागमन में सुविधा हो, इसके लिये नगरपालिका यहा डामरीकरण का कार्य प्रारंभ करने जा रही है। रविवार को एक सादगीपूर्ण कार्यक्रम में यहां होने वाले डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन किया गया। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने डामरीकरण काय को प्रारंभ किये जाने हेतु भूमिपूजन किमया। इस अवसर पर नपा उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, लोक निर्माण सभापति श्रीमती निर्मला नरेश चंदवानी, क्षेत्रीय पार्षद कमलेश सिसौदिया, नपा जलकार्य सभापति निलेश जैन, पार्षदगण दीपक गाजवा, युसुफ नीलगर, गरिमा भाटी, रेखा राजेश सोनी ऐरावाला, भावना पमनानी, गोरर्धन कुमावत, क्षेत्रीय नागरिकगण सर्वश्री चुन्नीलाल चौहान, युनुस मेव पटवारी, रमेश नागदा, सौरभ चौहान, कमलेश गुजराती, गौरव राजपूत, विजय चौहान, दीपक परमार, कैलाश लोहर, बालूराम रायकवार सहित कई गणमान्य नागरिकगण भी उपस्थित थे। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने इसअ वसर पर कहा कि प्रतापगढ रोड़ से चुन्नीलाल चौहान के निवास स्थान पर बाकडी फार्म के इस मेन राड़ पर नपा डामरीकरण का कार्य कराने जा रही है। इससे इस क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में सुविधा होगी।

पेंशनर्स दिवस पर थारो म्हारो प्रेम प्रोडक्शन टीम का किया बहुमान

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पेंशनर्स दिवस पर भारत पेंशनर समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मालवी बोली में बनने जा रही पहले रोमांटिक फिल्म थारो मारो प्रेम के निर्देशक और निर्माता राजेंद्र राठौड़, दिलीप कुमार जोशी, नरेंद्र कुमार त्रिवेदी का बहुमान और स्वागत किया गया। कास्टिंग डायरेक्टर नरेंद्र कुमार त्रिवेदी सूत्रधार ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज की नींव और हमारे वरिष्ठजन का सहयोग और मार्गदर्शन निश्चित रूप से इस मालवी बोली में बन रही फिल्म के निर्माण से मालवी बोली अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहराएगी।

राजेंद्र राठौड़ फिल्म निर्माता ने कहा कि मालवी बोली में पहली बार रोमांटिक मूवी बनने जा रही है जिस से आने वाले समय में फिल्म सिटी बने हमारी बोली के साथ अंचल की लोकेशन को भी पटल पर दर्शाया जाएगा ।बड़े पर्दे पर यह फिल्म स्थानीय प्रतिभाओं संग बॉलीवुड के स्थापित कलाकार भी इसमें अभिनय करेंगे।मालवी का सिनेमा स्थापित होगा और स्थानीय प्रतिभाओं को मुंबई न जा कर अपनी प्रतिभा को यहीं दिखाने का अवसर प्राप्त होगा। आप का सानिध्य और साथ हमें संबल देगा।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष गोपाल कृष्ण शर्मा, अशोक शर्मा, गोविंद सिंह पंवार, मंचासीन थे । आपने आश्वस्त किया हम प्रोडक्शन टीम का भरपूर सहयोग करेंगे। कार्यक्रम का संचालन सुनील व्यास ने किया।

महापुरुषों की पुण्यतिथि एवं जयंती पर नपा का रवैया ठीक नहीं–तोमर

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं प्रथम गृहमंत्री लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि के अवसर पर नगर पालिका प्रशासन द्वारा उनकी प्रतिमा के आसपास साफ सफाई नहीं की गई और ना ही माल्यार्पण हेतु सीढ़ियां लगाई गई, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है पूर्व में भी इस प्रकार की अव्यवस्था एवं लापरवाही नगर पालिका द्वारा की जाती रही है । नेहरू जयंती के दिन नेहरू उद्यान की साफ सफाई नहीं करना तथा महापुरुषों की पुण्यतिथि व जयंती पर उनकी प्रतिमाओं की साफ सफाई नहीं की जाती है। इस घटनाक्रम पर मंदसौर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र सिंह तोमर ने भारी आक्रोश व्यक्त किया है। डॉ तोमर ने मंदसौर कलेक्टर से मांग की है कि इस तरह की लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करना चाहिए साथ ही उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह सिर्फ भाषणों में महापुरुषों को याद करते हैं वास्तविकता में इनको महापुरुषों से कोई लेना-देना नहीं है। डॉ तोमर ने बताया कि रविवार को देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण बांस की बल्ली के सहारे से करना पड़ा नपा प्रशासन ने गंभीर चूक की है।

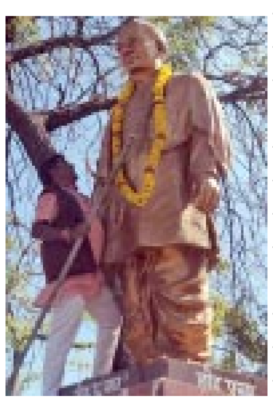

आजादी की लड़ाई में सरदार पटेल का प्रमुख योगदान रहा–रातड़िया

मंदसौर शहर ब्लॉक कांग्रेस ने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि मनाई

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मंदसौर द्वारा रविवार को भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि नगर के पटेल चौराहा पर स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की मूर्ति पर माल्यार्पण कर मनाएं गई। इस पुष्पांजलि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री प्रकाश रातड़िया ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में श्री पटेल का अहम योगदान रहा। श्री पटेल कई बार जेल में गए, व आजाद भारत के प्रथम गृहमंत्री बनने के बाद कई देशी रियासतों को भारत में मिला कर भारत को एक मजबूत राष्ट्र बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे 1930 में ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष बन गए थे।

शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल देश के उन प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे, जिन्होंने भारत को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आजादी के बाद बिना किसी जंग के सरदार पटेल ने 565 रियासतों का विलय भारत में करवाया था। यही वजह है कि लोग उन्हें 'लौह पुरुष' कहते हैं। इस पुष्पांजलि कार्यक्रम के अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मोहम्मद हनीफ शेख, मल्हारगढ़ विधानसभा प्रत्याशी रहे श्री परशुराम सिसोदिया जिला कांग्रेस पदाधिकारी में सर्वश्री मो.खलील शेख, इष्ट भाचावत, सुनील बसेर, राजनारायण लाड, राजेश फ़रक्या, तुलसीराम पाटीदार, अनूप जोशी, राजेंद्र सेठिया, महेश आर्य, मनीष चंदेल, शैलेंद्र मारोठिया, मनोहर नाहटा, अरविंद धनगर, मोहम्मद चांद, सादिक गोरी, अमीन खान, सम्यक जैन, नेहा कनकमल जैन, राकेश सेन, अजय सोनी, भंवरलाल कुमावत आदि इस अवसर पर उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन मंदसौर शहर ब्लॉक कांग्रेस जनकूपुरा मंडलम अध्यक्ष एवं जिला कांग्रेस प्रवक्ता राज नारायण लाड ने किया व आभार गोल चौराहा मंडलम अध्यक्ष विजय जैन ने माना।

विनर क्लब आयोजित कर रहा सामाजिक, धार्मिक व रचनात्मक गतिविधियां–मारोठिया

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था विनर क्लब मंदसौर की इस वर्ष की अंतिम बैठक जीवागंज स्थित निजी संस्थान पर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष ब्रजेश सेन मारोठिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक का प्रारंभ श्री गोवर्धननाथ मंदिर में विराजित ठाकुरजी के दर्शन वंदन कर किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए संस्थापक अध्यक्ष ब्रजेश सेन मारोठिया ने कहा कि संस्था सदस्यों एव समाजसेवियों के सहयोग से संस्था द्वारा वर्ष भर सामाजिक, धार्मिक व रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने के साथ ही प्रतिभाओं को आगे बड़ाने हेतु खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती है। संस्था अपने उद्देश्य अनुरूप कार्य कर रही है। नये वर्ष 2025 में संस्था द्वारा निरंतर गतिविधियां आयोजित की जाएगी जिसमें जनवरी माह में बालिका वर्ग हेतु कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित किये जाने का लक्ष्य रखा है। संस्था के अध्यक्ष विजय गेहलोद ने वर्ष भर किये गये कार्यों की जानकारी रखी तथा संस्था का विस्तार करने का भी आव्हान किया। इस अवसर पर संस्था के वरिष्ठ बंशीलाल टांक, नटवर पारीख, सुभाष गुप्ता, शंभूसेन राठौर, विजय गेहलोद, विकास बसेर, अनिल शिन्दे, ब्रजेश सेन मारोठिया, शुभम मारोठिया सहित संस्था के सदस्य उपस्थित थे। संचालन नटवर पारिख ने किया व आभार अध्यक्ष विजय गेहलोद ने माना।

आंचलिक पत्रकार संघ पत्रकारों के हितों के लिए हमेशा सजग रहता है–टांक

आंचलिक पत्रकार संघ की जिला बैठक हुई, तुलसीराम राठौर मंदसौर जिलाध्यक्ष, फांफरिया जिला प्रवक्ता, रमेश गुर्जर नीमच जिलाध्यक्ष मनोनीत

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के सक्रिय पत्रकारों के संगठन आंचलिक पत्रकार संघ, मंदसौर ईकाई की जिला बैठक रविवार को प्रदेश के अध्यक्ष रमेश टांक की अध्यक्षता में होटल जजमान में हुई। प्रारंभ में सभी सदस्यों ने प्रदेश अध्यक्ष रमेश टांक का पुष्प मालाओं से स्वागत किया। जिसके पश्चात श्री टांक द्वारा मंदसौर जिलाध्यक्ष पद पर पत्रकार तुलसीराम राठौर और नीमच जिलाध्यक्ष पद पर पत्रकार रमेश गुर्जर एवं सीतामऊतहसील अध्यक्ष पद पर कांजी भाई को मनोनित किया गया। वहीं जिला महामंत्री पंकज बैरागी सुवासरा और जिला प्रवक्ता विजयेन्द्र फांफरिया को नियुक्त किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष रमेश टांक ने कहा कि आंचलिक पत्रकार संघ प्रदेश का पहला ऐसा संगठन है जो पत्रकारों की आवाज को लगातार बुलंद कर रहा है। बीमा राशि की प्रीमियम कम करने की पहल हो या फिर 60 प्लस अधिमान्य पत्रकार को प्रीमियम शून्य करने की पहल हो सभी आंचलिक पत्रकार संघ ने की। 60 वर्ष की उम्र को पार कर चुके अधिमान्य पत्रकारों को मिलने वाली निधी भी शिवराज सरकार ने आंचलिक पत्रकार संघ की पहल पर ही बढाई थी जो 20 हजार रूपये हो गई है। हमारा लक्ष्य है कि हमारे सभी साथी अधिमान्य हो और उन्हें सरकार द्वारा दि जाने वाली निधी मिले। आपने बताया कि पूरे प्रदेश में आंचलिक पत्रकार संघ के 3800 से ज्यादा सदस्य है जो पूरे प्रदेश में सक्रियता के साथ पत्रकारिता कर रहे है। आपने बताया कि अब आंचलिक पत्रकार संघ का सदस्यता अभियान प्रारंभ है जिसके अंतर्गत पुराने सदस्यों के साथ नये सदस्यों को भी आंचलिक पत्रकार संघ से जोडा जायेगा इसी उद्येश्य के साथ आज मंदसौर जिले में बैठक भी रखी गई। इस अवसर पर आंचलिक पत्रकार संघ के प्रदेश सचिव अब्दुल वाहिद रईस, सह सचिव गायत्री प्रसाद शर्मा, संभागीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रकाश बंसल, संभागीय उपाध्यक्ष जगदीश पंडित, नव मनोनित मंदसौर जिलाध्यक्ष तुलसीराम राठौर, नीमच जिलाध्यक्ष रमेश गुर्जर, सीतामऊतहसील अध्यक्ष कांजी भाई, जिला महामंत्री पंकज बैरागी, विजयेन्द्र फांफरिया सहित मंदसौर नीमच जिले के पत्रकारगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन गायत्री प्रसाद शर्मा ने किया और अंत में आभार अब्दुल वाहिद रईस ने माना।

विधायक सखलेचा ने दड़ौली में किया मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान का शुभारंभ

नीमच, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान आगामी 26, जनवरी तक चलेगा। इसमें प्रदेश सरकार की सभी योजनाओं का लाभ सभी पात्र व्यक्तियों तक पहुंचे ,यह सुनिश्चित किया जाएगा। यह बात विधायक श्री ओम प्रकाश सखलेचा ने शनिवार को दड़ौली में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के शुभारंभ अवसर पर कही। उन्होंने कहा, कि प्रदेश सरकार हर व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार के लिए कृत संकल्पित हैं। अब 70 वर्ष से उम्रर के सभी लोगों को आयुष्मान योजना से जोड़ा जा रहा है और आयुष्मोन कार्ड बनाए जा रहे हैं।

इस अवसर पर विधायक श्री सखलेचा ने कहा, कि पशुधन के लिए क्रेडिट कार्ड पर भैंस के लिए 18000 रूपये और गाय के लिए 15000 रूपये का ऋण 0%ब्याज दर पर दिया जा रहा है। उन्होंने दड़ौली ग्राम के शमशान में श्रद्धांजलि शेड के लिए 5 लाख रुपए स्वीकृत करने की बात भी कही। विधायक ने दड़ौली ग्राम पंचायत द्वारा योजनाओं के क्रियान्वयन में 80%अंक की ग्रेडिंग प्राप्त करने पर सरपंच, पंच सहित सभी पंचायत वासियों की जागरूकता की सराहना की। शिविर में दड़ौली के सरपंच श्री प्रवीण नागौरी, जनकपुर सरपंच श्री किशोर पाटीदार सहित जनप्रतिनिधिगण एवं ग्रामीणजन, अनुविभागीय अधिकारी श्री राजेश शाह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश धार्वे, जावद तहसीलदार सुश्री मयूरी जॉक सहित विभिन्नप अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

सात दिवसीय श्री राम कथा का आयोजन आज से

सुयश रामायण मंडल द्वारा आयोजित कथा का वाचन दशरथभाईजी के मुखारविन्द से होगा

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 16 से 22 दिसम्बर तक संजय गांधी उद्यान में रामकथा के मानस मर्मज्ञ पंडित दशरथ भाई जी के मुखारविंद से प्रतिदिन राम जी के आदर्शो का वर्णन सुनेंगे।

प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी सुयश रामायण मंडल के तत्वाधान में राम कथा का आयोजन किया जा रहा है विगत 20 वर्षो से निरंतर कथा का आयोजन सुयश रामायण मंडल करवाता आ रहा है और यह सुयश रामायण मंडल का 21वां वर्ष है। राम कथा के मर्मज्ञ पंडित दशरथ भाई जी ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि इस बार मानस महादेव के उपर विशेष प्रवचन होगे इस अवसर पर मंडल के सदस्य सुरेश भावसार ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखी एवं सभी श्रद्धालु जनों से उक्त आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में पधारने की और धर्म लाभ लेने की अपील की है। कथा प्रतिदिन संजय गांधी उद्यान में प्रात: 12.30 से संध्या 5 बजे तक चलेगी। पोथी यात्रा आज 16 दिसम्बर से प्रात: 11 बजे जनता कॉलोनी स्थित शीतला माता मंदिर से निकलेगी जो की बालाजी मंदिर ,महाराणा प्रताप बस स्टैंड होते हुए संजय गांधी उद्यान पहुंचेगी। इस अवसर पर पत्रकार वार्ता का संचालक पूर्व पार्षद सुरेश भावसार ने किया।

भून्याखेड़ी में भूमि हेतु अभिमत 20 तक प्रस्तुत करें

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। तहसीलदार मंदसौर ने बताया कि गृह निर्माण एवं अधोसरंचना विकास मंडल रतलाम द्वारा ग्राम भून्याखेड़ी स्थित शासकीय भूमि सर्वे नम्बर 183/1 एवं 110 रकबा 5.210 हेक्टयर एवं 1.480 हेक्टेयर मे से रकबा क्रमश: 3.0 हेक्टेयर एवं 1.48 हेक्टेयर मद शासकीय क्रमश: चारागाह एवं गैर मुमकीन इडब्लूएस एवं कमजोर आय वर्ग के लिए आवासीय योजना हेतु आबंटित किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि किसी को भूमि आबंटित हेतु अभिमत 20 दिसम्बोर 2024 तक दर्ज करा सकते है। नियत समयावधि के उपरांत प्रस्तुत की गई किसी भी आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

अंडर ब्रिज को रेलवे द्वारा आवागमन हेतु किया है बंद, इसका लाभ लेकर जलभराव व अन्य समस्याओं के समाधान हेतु करें कार्य–गुर्जर

कलेक्टर अदिति गर्ग को अवगत कराकर इस संबंध में कार्य करने हेतु की मांग

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अभिनंदन क्षेत्र की जनता के लंबे संघर्ष और आंदोलन के बाद ही गीता भवन रेलवे फाटक पर अंडर ब्रिज का निर्माण हुआ है अंडर ब्रिज निर्माण होने के बाद कई सारी विसंगतिया और कमियां निकलकर आती रही है जिससे आम नागरिकों को कई तरह की परेशानियों व समस्याओं का सामना लगातार करना पड़ रहा है जैसे की अंडर ब्रिज में हमेशा जल भराव का रहना, ब्रिज के नीचे अंधेरे का रहना ,नाला निर्माण का होना इस तरह की कई सारी विसंगतिया इसमें अंडर ब्रिज निर्माण होने के बाद लगातार बनी रहती है क्योंकि अभी अंडर ब्रिज क्रमांक 365 अपर रेलवे का दोहरीकरण का कार्य होने के कारण अंडरब्रिज पूरी तरह से रेलवे द्वारा बंद कर दिया गया है इसका लाभ लेते हुए मंदसौर नगर पालिका और अन्य संबंधित विभागों को अंडर ब्रिज से जुड़े हुए कार्य कर समस्याओं का समाधान भी इस अवधि के दौरान कर लेना चाहिए जिससे नागरिकों को हो रही परेशानियों से मुक्ति मिल सके इन सब बातों सेअवगत कराते हुए पूर्व पार्षद विजय गुर्जर ने मंदसौर कलेक्टर अदिति गर्ग से मांग करी है।

आगे विजय गुजर ने बताया कि क्योंकि रेलवे के बहुत सारे नियम और कानून हैं जिसके कारण रेलवे अपनी सीमा में किसी भी तरह का कार्य किसी भी अन्य विभाग को करने नहीं देता है जिससे कि छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए रेलवे से अनुमति और स्वीकृति का विषय आ जाता है और समस्या का समाधान नहीं हो पाता है चूंकि वर्तमान में रेलवे ने दो माह के लिए अंडर ब्रिज को बंद कर दिया है इसका लाभ लेते हुए मंदसौर नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों को अंडर ब्रिज में हो रही परेशानियों को समाप्त करने के लिए हाथों-हाथ कार्य कर लेना चाहिए। जैसे की अंडर ब्रिज में हमेशा पानी भरा रहता है इस समस्या का समाधान भी अभी कर लेना चाहिए ,अंडर ब्रिज क्षेत्र में ड्रेनेज समस्या के समाधान हेतु नाला निर्माण से संबंधित कार्य भी अभी कर लेना चाहिए, अंडर ब्रिज के नीचे अंधेरा रहता हे जो की दोहरीकरण के कार्य के बाद ओर बढ़ेगा अंधेरे को दूर करने के लिए लाइट की व्यवस्था का कार्य भी अभी कर लेना चाहिए, पानी की पाइप लाइन शहर से पटरी पार पानी हेतु डालना ,इस तरह से अनेक समस्याओं का सामना ब्रिज के नीचे से गुजरने के दौरान आमनागरिकों को करना पड़ता है उन सब समस्याओं का समाधान वर्तमान स्थिति को देखते हुए कर लेना चाहिए। अंत में विजय गुर्जर ने कलेक्टर अदिति गर्ग से मांग करी है कि गीता भवन अंडर ब्रिज की वि संगतियों को दूर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर इन समस्याओं का समाधान दोहरीकरण केकार्य के चलते और अंडर ब्रिज के बंद रहते ही करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को देकर समस्या का समाधान करे।

16 दिसंबर विजय दिवस–आज रा.स्व.संघ की शाखाओं में दंड प्रहार दिवस...

विश्व भर की शाखों में स्वयंसेवक लगाएंगे करोड़ों दंड प्रहार

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 1971 में पाकिस्तान के विरुद्ध युद्ध लड़कर भारत को 16 दिसंबर के दिन विजय प्राप्त हुई थी और पृथक बांग्लादेश के निर्माण की मुहिम शुरू की गई इस दिन को प्रतिवर्ष भारत 'विजय दिवस' के रूप में मनाता है किंतु इस दिवस को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संपूर्ण भारत सहित संपूर्ण विश्व में अपनी शाखाओं में 'प्रहार दिवस' के रूप में मनाता है तथा 3 दिसंबर से 16 दिसंबर तक प्रत्येक संघ सेवक शाखा स्थल पर लकड़ी के दंड से अधिकतम प्रहार लगाकर रिकॉर्ड कायम करता है, ताकि शत्रु पर विजय प्राप्त करने का स्वप्न उनके हृदय में जागृत रहे। पाकिस्तान के विरुद्ध बांग्लादेश के लिए युद्ध करने के कारणों को जानने के लिए हमें बांग्लादेश की पृष्ठभूमि का ज्ञान होना जरूरी है।

बांग्लादेश में सभ्यता का इतिहास काफी पुराना रहा है। आज के भारत का अधिकांश पूर्वी क्षेत्र कभी बंगाल के नाम से जाना जाता था। बौद्ध ग्रंथो के अनुसार इस क्षेत्र में आधुनिक सभ्यता की शुरुआत ईसा पूर्व 700 वर्ष पहले में आरंभ हुई, यह माना जाता है। यहाँ की प्रारंभिक सभ्यता पर बौद्ध और हिन्दू धर्म का प्रभाव स्पष्ट देखा जा सकता है। उत्तरी बांग्लादेश में स्थापत्य के ऐसे हजारों अवशेष अभी भी मौजूद हैं जिन्हें मंदिर या मठ कहा जाता है। भारत का विभाजन होने के फलस्वरुप बंगाल भी दो हिस्सों में बँट गया। इसका हिन्दू बहुल इलाका भारत के साथ रहा और पश्चिम बंगाल के नाम से जाना जाता है तथा मुस्लिम बहुल इलाका पूर्वी बंगाल पाकिस्तान का हिस्सा बना जो पूर्वी पाकिस्तान के नाम से जाना गया। जमींदारी प्रथा ने इस क्षेत्र को बुरी तरह झकझोर रखा था जिसके खिलाफ 1950 में एक बड़ा आंदोलन शुरु हुआ और 1952 के बांग्ला भाषा आंदोलन के साथ जुड़कर यह बांग्लादेशी गणतंत्र की दिशा में एक बड़ा आंदोलन बन गया। इस आंदोलन के फलस्वरुप बांग्ला भाषियों को उनका भाषाई अधिकार मिला। 1955में पाकिस्तान सरकार ने पूर्वी बंगाल का नाम बदलकर पूर्वी पाकिस्तान कर दिया था। पाकिस्तान के द्वारा पूर्वी पाकिस्तान की इसलिए उपेक्षा की जाती थी कि वहां से हिंदुओं को भगाना उसका लक्ष्य था इस कारण इसके दमन की शुरुआत यहीं से हुई।

पाकिस्तानी शासक–याहया खां के आदेश पर वहां का लोकप्रिय संगठन 'आवामी लीग' और उनके नेताओं पर अत्याचार किया जाने लगा, जिसके फलस्वरूप बंगबंधु कहे जाने वाले शेख मुजीब रहमान के नेतृत्व में पूर्वी बंगाल, जिसे उस समय पूर्वी पाकिस्तान कहा जाता था में स्वाधीनता आंदोलन की शुरुआत हुई। बांग्लादेश में खून की नदियां बहने लगी पाकिस्तानी सेना ने हिंदू मुसलमान दोनों ही पर बहुत अत्याचार किए, जिसके कारण 1971 में ही लाखों बंगाली मारे गए तथा दस लाख बंगालियों को भारत में शरण लेना पड़ी उस समय यहां तक की पाकिस्तान के विमानों ने भारत अधिकृत पश्चिम बंगाल पर भी गोलाबारी करना शुरू कर दी थी। जिससे क्रुद्ध होकर तथा बांग्लादेशियों के निवेदन पर तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दी जिसके परिणाम स्वरूप भारत-पाकिस्तान का भयंकर युद्ध हुआ तथा 16 दिसंबर 1971 को भारतीय सेना के सामने पाकिस्तान के 93000 सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया, जिनको युद्ध बंदी बनाकर भारत के विभिन्न कैंपों में रखा गया तथा बांग्लादेश को एक आजाद मुल्क भारत के द्वारा घोषित किया गया। जिसके प्रथम राष्ट्रपति शेख मुजीब रहमान को बनाया गया था। इस युद्ध में करीब 3900 भारतीय सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए जबकि 9851 घायल हुए पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी बलों के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एके नियाजी ने भारत के पूर्वी सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था। इसलिए 16 दिसंबर 1971 को युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत के कारण विजय दिवस मनाया जाता है यह युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक और हर देशवासी के मन को उत्साह से भरने वाला सिद्ध हुआ था। भारत की एकता और अखंडता को अक्षुण्य बनाए रखने की भावनाओं को बलवान और जागृत बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लाखों स्वयंसेवक 3 दिसंबर से प्रतिदिन अपनी शाखाओं पर दंड से प्रहार लगाते हैं तथा 16 दिसंबर को यह दंड प्रहार यज्ञ समाप्त होता है। यहां इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कोई भी गतिविधि के पीछे एक सोचा समझा संकल्प होता है। अब फिर ऐसा एक अवसर उपस्थित हो सकता है जब भारत को बांग्लादेश में सीधा-सीधा हस्तक्षेप करना पड़े।

रमेशचंद्र चंद्रे, मंदसौर

आर्य समाज मंदिर में आयुर्वेद व एक्यूप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा शिविर 18 को

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। आर्य समाज मंदिर तरण ताल के सामने दूसरी मंजिल मंदसौर में 18 दिसंबर बुधवार को प्रात: 9 से सायं 5 बजे तक आयुर्वेद व एक्यूप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा शिविर आयोजित किया जा रहा है। जिसमंम वैद्य ओमप्रकाश देवासी एवं थैरेपिस्ट अर्जुन कटारिया एम.डी. (एक्यू.) द्वारा अपनी सेवाएं दी जाएगी। आर्य समाज में यह शिविर हर माह की 18 तारीख को लगाया जाता है।

इस शिविर में जर्मन टेक्नोलॉजी बॉडी एनालाइजर मशीन द्वारा पूरे शरीर की जांच करके बीमारियों का पता लगाकर देशी दवाइयों व एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति से कब्ज, गैस, खांसी, पित, सफेद पानी, खून की कमी, अस्थमा, बीपी, शुगर, नसों में ब्लॉकेज, माइग्रेन, थायराईड, शुक्राणु की कमी, पीलिया, कोलेस्ट्रोल, हृदय रोग, स्वपन दोष, हाइट न बढ़ना, चर्म रोग, वजन का घटना व बढ़ना आदि सभी बीमारियों का सफल इलाज किया जाएगा। शिविर में निसंतान दंपति भी सम्पर्क कर सकते है। मंदसौर एवं आसपास के क्षेत्रवासियों से 18 दिसंबर को आयोजित इस आयुर्वेद एवं एक्यूप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की गई है। शिविर के संबंध में अधिक जानकारी एवं रजिस्ट्रेशन के लिये मो.नं. 8003708162 पर सम्पर्क कर सकते है।

सिद्धि में परमार्थ और प्रसिद्धि में स्वार्थ का अंश निहित होता है–सावरा

श्री भीमाशंकर महादेव मंदिर पर राष्ट्र व सनातन जागरण पर परिचर्चा सम्पन्न

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। आम मानव सहज, सरल व छोटा मार्ग अपनाकर वह प्रसिद्धि चाहता है किंतु सिद्धि के लिए कठिन व लम्बी तपस्या की आवश्यकता होती है जो बिरले महापुरुष होते हैं जो अपने लक्ष्य को सिद्ध कर पाते हैं।

हम संकीर्णता के स्थान पर व्यापक सोच के साथ अपने समाज, अपने नगर एवं अपने राष्ट्र की प्रतिष्ठा में अभिवृद्धि के लिए कार्य करें और यह सब सिद्धि के मार्ग से ही प्राप्त होगा। उक्त विचार वरिष्ठ समाजसेवी सुरेश सावरा ने व्यक्त किए। वे बड़ी होली, किला रोड स्थित प्राचीन श्री भीमाशंकर महादेव मंदिर पर राष्ट्र व सनातन जागरण अभियान के अंतर्गत अनुराग संस्था व ब्रह्म परिषद के संयुक्त आयोजन 'आत्मबोध' में 'सिद्धि एवं प्रसिद्धि' विषय पर अपने विचार रख रहे थे। विषय को विस्तार देते हुए श्री सावरा ने कहा कि हमारे ऋषियों ने अपनी वर्षों की कठिन तपस्या से जो सिद्धियां प्राप्त की। उन्होंने जो अध्यात्म का सृजन किया उसी के कारण हमारा भारतवर्ष 'विश्वगुरु' कहलाया। अक्षय चौहान ने कहा कि वर्तमान में हमारे वैज्ञानिकों द्वारा, हमारे युवाओं द्वारा जो आविष्कार किए जा रहे हैं और उसके कारण भारत की जो प्रतिष्ठा में अभिवृद्धि हो रही है वह सब उनकी सिद्धि का ही परिणाम है।

परिचर्चा में अपने विचार रखते हुए मांगीलाल शर्मा ने कहा कि देश हो या समाज यदि आपके अन्दर सिद्धि का संकल्प है तो ही आप परिवर्तन ला सकते हैं। वर्तमान में व्यक्ति बहुत जल्दी में है। उसमें सहनशीलता का अभाव है। वह तो हमारी लोकोक्ति के अनुसार 'हींग लगे न फिटकरी और रंग चौखा आ जाए।' वाली सोच रखता है। वह अपने आलस्य के कारण 'अरे आजकल तो ऐसा ही चलता है' की भावना के कारण कुछ कर गुजरने की दृढ इच्छाशक्ति ही नहीं रखता है जबकि सिद्धि में परिश्रम की पराकाष्ठा की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर सुरेश राठौर ने कहा इतिहास इस बात का साक्षी है कि अनेक महापुरुषों ने सिद्धि प्राप्त की और भारतवर्ष को महान बनाया। सिद्धि का लक्ष्य मानव कल्याण होता है जबकि प्रसिद्धि में कहीं ना कहीं स्वार्थ का भाव होता है। सिद्धि चीर स्मरणीय होती है जबकि प्रसिद्धि का अल्पकाल होता है। परिचर्चा में अनुराग संस्था व ब्रह्म परिषद के संस्थापक गोपालकृष्ण पंचारिया ने कहा कि एक हजार वर्ष की गुलामी मानसिकता के कारण आज हमारी सोच कुंद हो गई है। हमारी सारी सोच विचार केवल प्रसिद्धि के अंधेरे कुए में घिर कर रह गई है। हम हमारे ऋषियों मनीषियों के गौरवशाली सिद्धि काल को ही भूल गए। आज मोदी व योगी जैसे महापुरुष सिद्धि के ही मार्ग पर चल रहे हैं और उसी के कारण देश तेजी से विकास कर रहा है। हम सबको भी मिलकर प्रसिद्धि के चक्कर में न पड़कर सिद्धि का मार्ग अपनाना पड़ेगा। ताकि हमारा भारत वर्ष फिर से समर्थ व समृद्ध बनकर विश्वगुरु बन सके। परिचर्चा का संचालन गोपालकृष्ण पंचारिया ने किया।

अजय व भरत का राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में चयन

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 2 से 6 जनवरी तक भोपाल में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता के लिए मंदसौर के दो खिलाड़ियों का चयन हुआ यह जानकारी हॉकी मंदसौर के अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया व सचिव अविनाश उपाध्याय ने दी उन्होंने बताया कि अजय कनौजिया व भारत मौर्य का चयन भोपाल में हुई राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर हुआ। ज्ञात रहे यहां उज्जैन संभाग ने ब्रॉज मेडल प्राप्त किया था अभी भरत व अजय 26 दिसंबर से 1 जनवरी तक भोपाल में लग रहे राष्ट्रीय कैंप में शामिल होंगे और उसके बाद मध्य प्रदेश टीम में शामिल होकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शिरकत करेंगे। ज्ञात रहे भरत व अजय दोनों ही हॉकी की शुरुआत कक्षा 6वीं से हुई यही इसके बाद मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित फीडर सेंटर व केंद्र शासन द्वारा संचालित हॉकी खेलो इंडिया सेंटर में प्रशिक्षण लिया यहीं से राज्य व राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शिरकत की यह दोनों खिलाड़ी मां शारदा स्कूल में प्रशिक्षणरत है।

आज का मौसम 16 दिसंबर 2024...

बर्फीली हवाओं से दिल्ली समेत उत्तर भारत में ठिठुरन बढ़ी, इन राज्यों में बारिश का अलर्ट

नईदिल्ली, 15 दिसम्बर। एनसीआर समेत देशभर में मौसम का मिजाज बदल चुका है। अब पूरे उत्तर भारत में शीतलहर का आगाज हो चुका है। वहीं पहाड़ों पर बर्फबारी का दौर जारी है। मौसम विभाग ने कल भी कई जगहों पर ठंड और शीतलहर की चेतावनी जारी की है। इसके अलावा दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में बारिश के आसार हैं। आईएमडी के अनुसार कल तमिलनाडु और अंडमान निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है। जानिए कल कहां कैसा मौसम रहेगा।

दिल्ली में पारा 5 डिग्री से नीचे तक पहुंचा–राजधानी दिल्ली में शीतलहर शुरू हो गई है। रविवार सुबह दिल्ली में न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री कम है। मौसम विभाग के अनुसार अगले हफ्तेभर तक दिल्ली में पारा ज्यादा नीचे जाने की संभावना नहीं है। लेकिन क्रिसमस के आसपास ठंड बढ़ेगी जो नए साल तक जारी रहेगी। अगले हफ्ते दिल्ली में शीतलहर चलने की संभावना नहीं है, लेकिन ठिठुरन लोगों को परेशान करेगी। दिन में धूप खिलने से लोगों को राहत मिलेगी। कल दिल्ली में अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री और न्यूनतम 6 से 7 डिग्री रह सकता है।

कश्मीर में भीषण शीतलहर से राहत–घाटी में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होने से कश्मीर में शीतलहर से थोड़ी राहत मिली है। हालांकि पारा अभी भी 0 से नीचे बना हुआ है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जो पिछली रात के शून्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस नीचे से बेहतर है। मौसम विभाग के अनुसार 21 दिसंबर तक मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि अगले तीन दिनों के दौरान घाटी में न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने तथा कई स्थानों पर शीत लहर चलने का अनुमान है।

राजस्थान में कड़ाके की सर्दी जारी–राजस्थान में कड़ाके की सर्दी जारी है। फतेहपुर में न्यूनतम तापमान लगातार कई दिन से शून्य से नीचे दर्ज किया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार बीते चौबीस घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर शीतलहर और एक दो स्थानों पर अति शीतलहर दर्ज की गई। राज्य के अधिकतर शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से कम बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में मौसम में बहुत ज्यादा बदलाव की उम्मीद नहीं है। हालांकि ठिठुरन वाली ठंड लोगों को परेशान करती रहेगी।

इन राज्यों में शीतलहर का अलर्ट–मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों तक उत्तर-पश्चिम भारत में और अगले तीन दिनों तक मध्य भारत में शीतलहर की स्थिति बनी रहने की संभावना है। कल उत्तर पश्चिम भारत, मध्य भारत, महाराष्ट्र और ओडिशा के अंदरूनी हिस्सों में शीतलहर चल सकती है। सौराष्ट्र के नलिया और आसपास के इलाकों में घना कोहरा छा सकता है। मेघालय, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी घना कोहरा छा सकता है। इसके अलावा हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में शीतलहर चलने के आसार हैं।

इन राज्यों में बारिश का अलर्ट–आने वाले 24 घंटों में दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। अगले दो दिनों के बाद, यह पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ते हुए एक चक्रवाती तूफान में बदल सकता है और तमिलनाडु के तटों तक पहुंच सकता है। अंडमान और दक्षिण अंडमान समुद्र के पास एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। मौसम विभाग ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा तमिलनाडु के कुछ इलाकों में भी बारिश हो सकती है।

मंडल अध्यक्ष श्रीमती पूजा शर्मा का किया स्वागत

मनासा/सावन, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी भादवा माता मंडल अध्यक्ष बनने पर श्रीमती पूजा अनिल शर्मा का ग्राम सावन में जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान श्रीमती शर्मा ने वरिष्ठकार्यकर्ताओं का साफा बंधवाकर सम्मान किया।

रविवार को ग्राम सावन में पूर्व सरपंच मुकेश शर्मा के नेतृत्व में नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष श्रीमती पूजा शर्मा का साफा बंधवाकर स्वागत किया गया। इस दौरान श्रीमती शर्मा ने कहा कि संगठन में सभी को साथ लेकर काम करेंगे। युवाओं को आगे लाया जाएगा और वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में समन्वय से काम करेंगे। उन्होंने वरिष्ठ कार्यकर्ता गोवर्धन लाल पाटीदार एवं गणपत लाल मली का साफा बांधकर सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान जनपद सदस्य प्रहलाद भट्ट, योग शिक्षक परसराम पंडिया, पूर्व युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष डॉ:टर कुशल चौधरी, पिछडा मोर्चा मंडल अध्यक्ष विनोद पाटीदार, युवा मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष अक्षय शर्मा, बूथ अध्यक्ष सुनील पाटीदार, देवीलाल भट्ट, हरीश पंडिया, फकीरचंद पाटीदार, कैलाश लोहार, आशीष विश्वकर्मा, राजेंद्र शर्मा, अर्जुन पाटीदार, यशवंत गोराना, रवि शर्मा, जागृति पंड्या सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।इसी प्रकार ग्राम पंचायत परिसर सावन मे राजमल शर्मा,कुशल पाटीदार,गोविंद भारद्वाज,मनोहर लाल शर्मा,मोहन शर्मा,पूर्व सरपंच मानसिंह गुर्जर,सरपंच जितेंद्र माली,विष्णु दधीची,गोविंद पाटीदार रवि लोहार ,विकास देवड़ा,श्याम पाटीदार ,जीतू प्रजापत,रंजीत कारपेंटर ,गोपाल राठौर,प्रहलाद चौधरी मुकेश जाटव, विजय बागड़ा द्वारा स्वागत किया गया

भादवा माता में हुआ स्वागत–भादवा माता ग्राम पंचायत परिसर में सरपंच प्रतिनिधि नवल सुरावत,महेश गुर्जर सांसद प्रतिनिधि,राजेंद्र देवड़ा,एवं भाजपा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में भादवा माता मंडल अध्यक्ष अध्यक्ष पूजा शर्मा , कुशाभाऊठाकरे मंडल अध्यक्ष किशोर बैरागी का साफा बंधवाकर सम्मान स्वागत किया गया ।इस अवसर पर कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्री राम कथा के साथ कन्या विवाह का आयोजन होना अच्छी परंपरा

श्री हरिकथा आयोजन समिति के कार्यालय का पूज्य संत श्री मणिमहेश ने किया शुभारंभ

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री हरि कथा आयोजन समिति के तत्वाधान में आगामी 4 से 12 जनवरी तक श्री रामकथा का भव्य आयोजन रुद्राक्ष माहेश्वरी भवन में होने जा रहा है। व्यास पीठ पर सुप्रसिद्ध कथा प्रवक्ता आचार्य रामानुजजी आसीन होंगे ओर कथा प्रवचन करेंगे।

रविवार को प्रातः काल की बेला में रामकथा आयोजन समिति के कार्यालय का शुभारंभ चैतन्य आश्रम मेनपुरिया के पूज्य संत श्री मणिमहेश चैतन्य जी महाराज के कर कमलों से संपन्न हुआ। समराम विहार कालोनी के द्वार पर समाजसेवी प्रदीप भाटी के निवास पर कार्यालय का शुभारंभ करते हुए स्वामी जी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मंदसौर क्षेत्र संतो महापुरुषों विद्वानों की नगरी है। यहां कथाओं के आयोजन की पुरानी परंपरा रही है। आपने कहा कि कथा में कथा ही हो। आचार्य श्री रामानुज इसी विद्वत परंपरा के कथा प्रवक्ता हैं। श्री भागवत महापुराण के महत्व प्रसंग के श्लोक में कहा गया है कि जीवन का सार तत्व भागवत महापुराण है। यह वेदों का पका हुआ फल है।यह फल मीठा भी है। भागवत महापुराण इसे शुकदेव ऋषि ने सुनाया तो मीठा फल हो गया वैसे ही जैसे तोते की चोंच से फल मीठा हो जाता है। आपने ब्रह्मलीन स्वामी श्री प्रत्यक्षानंद जी महाराज ओर गोलोकवासी पं. मदनलाल जी जोशी का भी स्मरण किया जिनकी कथा में पूर्ण अनुशासन और मर्यादा रहती थी। आरंभ में हरि कथा आयोजन समिति के अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल ने कथा आयोजन की पुरी रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस बार से रामकथा के आयोजन के ही परिपेक्ष में नि:शुल्क कन्या विवाह का भी संकल्प लिया गया है प्रथम बैठक में 11 कन्याओं के विवाह का संकल्प था किंतु जो वातावरण बना है उससे अभी 21 कन्याओं का सामूहिक विवाह का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आरंभ में संत श्री ने श्री तलाई वाले बालाजी की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दिप प्रज्वलित कर कार्यालय का फीता खोलकर शुभारंभ किया। संत श्री का स्वागत हरिकथा आयोजन समिति के अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल, सत्यनारायण छापरवाल, सुरेश सोमानी, रमाशंकर शर्मा, राव विजयसिंह,डॉ कुशल शर्मा , राजमल गर्ग अंकित,वासुदेव सेवानी, संजय वर्मा, राजू ओझा, अनिल अग्रवाल, रमेश काबरा, शांतिलाल गगरानी, दाऊभाई विजयवर्गीय, ओम अग्रवाल सर, जगदीश अग्रवाल, डॉ दीपक अग्रवाल, अनिल सिंहल,अरुण गोड, सुरेश पाठक, सुनील कटलाना, राजेन्द्र तिवारी, मनीष गोड, हेमन्त अग्रवाल, गोपाल पंसारी, महेंद्र जाजू, प्रकाश भदादा,दिनेश गर्ग, राजेन्द्र चास्ता, सावन भाटी,पंकज मित्तल,संदीप जैन,राहुल चास्ता,प्रद्युम्न शर्मा, डॉ आशीष अग्रवाल, नरेंद्र त्रिवेदी, राकेश सेन, गोविंद गोयल मामाजी,रामेश्वर गर्ग, ब्रजमोहन गर्ग,बिल्लु अग्रवाल, बटवाल, राजेश बोहरा, जगदीश गर्ग, राजेन्द्र पारिख, भगवती प्रसाद जोशी, रामप्रसाद सोनी , अनिल नरानिया , राजू अग्रवाल, सहित बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तो ने

संत श्री का स्वागत कर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार बृजेश जोशी ने किया तथा आभार सत्यनारायण छापरवाल ने माना।

सोमवार को कलश यात्रा की तैयारी को लेकर मातृशक्ति की बैठक–आगामी 4 जनवरी से आयोजित होने वाली श्री राम कथा की तैयारीयो को लेकर 16 दिसंबर सोमवार को मातृशक्ति की एक विशेष बैठक नरसिंहपुरा स्थित अग्रसेन मांगलिक भवन में दोपहर ढाई बजे मंगला मुखी किन्नर गुरु अनिता दिदी की गरिमामय उपस्थिति में आहूत की गई हैं। बैठक में 4 जनवरी को नगर में निकलने वाली कलश ओर पोथी यात्रा को लेकर रूपरेखा तय की जाएगी।

इस आशय की जानकारी देते हुए श्री हरिकथा आयोजन समिति महिला मंडल ने मन्दसौर शहर की प्रत्येक सामाजिक धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय मातृशक्ति ओर बहिनो से आग्रह किया कि 16 दिसम्बर सोमवार को दिन में ढाई बजे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आचार्य श्री रामानुज जी के सानिध्य में होने वाली श्रीराम कथा को भव्यता प्रदान करने हेतु मीटिंग में अवश्य अपनी उपस्थिति दर्ज कराए।।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर द्वारा आयोजित नेशनल लोक अदालत में ...

2597 प्रकरणों का निराकरण कर 13,21,48,787/- रूपये के अवार्ड पारित

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा प्रसारित निर्देशानुसार व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर श्री कपिल मेहता के कुशल मार्गदर्शन में दिनांक 14 दिसम्बर, 2024, शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय मंदसौर एवं तहसील न्यायालय गरोठ, भानपुरा, नारायणगढ़, सीतामऊमें किया गया।

जिला न्यायालय परिसर स्थित ए.डी.आर. सेंटर भवन के सभागृह में माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश श्री कपिल मेहता द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ कार्यक्रम में माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय श्री कपिल मेहता, विशेष न्यायाधीश श्री अजय कुमार सिंह, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय श्री गंगाचरण दुबे एवं जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष श्री रघुवीर सिंह पंवार ने सम्बोधित कर अपने विचार व्यक्त किये। शुभारंभ कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनन्द, जिला वनमण्डलाधिकारी श्री संजय रायखेरे, द्वारा भी सहभागिता की गई। शुभारंभ कार्यक्रम में आभार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर के सचिव एवं जिला न्यायाधीश श्री सिद्धार्थ तिवारी द्वारा व्यक्त किया गया, तथा संचालन जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश डॉ. प्रीति श्रीवास्तव, सुश्री प्रतिष्ठा अवस्थी, श्री

आसिफ अब्दुल्लाह, श्रीमती शिल्पा तिवारी, श्री विशाल शर्मा, श्री विवेक बुखारिया, श्री मुनेन्द्र सिंह वर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री प्रवीण कुमार सोंधिया, अन्य न्यायाधीशगण श्री प्रेमदीप सांकला, श्रीमती रोहिणी तिवारी, श्री विनोद अहिरवार, श्री राजकुमार त्रिपाठी, श्रीमती प्राची पाण्डेय माटा, सुश्री श्वेता सिंह, सुश्री रूपा मिश्रा, सुश्री पूर्वी गुप्ता, अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी एवं अधिवक्तागण, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारीगण, न्यायिक कर्मचारीगण, विभिन्न बैंक, बीमा कम्पनियां, विद्युत विभाग एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगण, खण्डपीठ सदस्यगण इत्यादि उपस्थित रहे।

दिनांक 14 दिसम्बर, 2024 की नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु जिले में कुल 31 न्यायिक खण्डपीठों का गठन किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ के पश्चात नेशनल लोक अदालत की कार्यवाही गठित खंडपीठों में शाम तक चली, जिसमें राजीनामे के माध्यम से 2597 प्रकरणों का निराकरण किया गया। उक्त लोक अदालत में 1615 कोर्ट में लंबित मामले निराकरण के लिए रखे गए थे जिसमें से कुल 1270 प्रकरणों का निराकरण किया गया, जिसमें कुल 12,44,66,466/-का अवार्ड पारित किया गया। इसी प्रकार कुल 9106 प्रीलिटिगेशन के रखे प्रकरण में से 1327 प्रकरणों का निराकरण किया गया जिसमें 76,82,321/-राशि की वसूली की गई। मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा के 47 प्रकरण निराकृत किए गए, जिसमें कुल राशि 5,59,04,000/- का अवार्ड पारित किया गया। इस लोक अदालत में धारा 138 के अंतर्गत चैक बाउंस के 401 प्रकरण निराकृत किए गए जिसमें कुल राशि रू. 3,70,48,323/-का अवार्डपारित किया गया।

युवराज का राष्ट्रीय स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 49 वी राष्ट्रीय सब जुनियर बास्केटबॉल प्रतियोगिता जो दिनांक 16 से 22 दिसम्बर तक हैदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित होगी जिसमे जिला बास्केटबॉल संघ के नियमित खिलाड़ी युवराज सिंह भदौरिया का चयन हैदराबाद(तेलंगाना) में आयोजित राष्ट्रीय स्तर अंडर-14 सब जूनियर बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए हुवा है जो दिनांक। 16 दिसम्बर से 22 दिसंबर तक हैदराबाद(तेलंगाना)में आयोजित होगी। इस अवसर पर मंदसौर बास्केटबॉल संघ के अध्यक्ष पूर्व विधायक श्री यशपालसिंह सिसोदिया ,सचिव श्री जाकिर हुसैन, श्री अनिल धाकड़,डॉ सुरेश पमनानी, डॉ हिमांशु यजुर्वेदी, श्री विजेंद्र देवड़ा जिला खेल अधिकारी खे. यु. कल्याण विभाग, श्री महेन्द्र शुक्ला खेल शिक्षक उत्कृष्ट विद्यालय, श्रीमति रुबीना खान बास्केटबॉल कोच खे. यु.कल्याण विभाग,श्री बंसी राठौर सांसद प्रतिनिधि खे. यु.कल्याण विभाग, श्री गौरव अग्रवाल युवा भाजपा नेता,रूपेश सोलंकी, संतोष परसाई,मनोज जैन,महेश सोलंकी,राहुल सैनी,गौतम जाधव,पवन राठौर,अंशीत मारू, आनंद सूरा,निर्मल सिंह,लवनेश चंदेल, अमित मेहता,अबरेज खान,जय विजय सिंह सिसोदिया, विहल दुबेला,अक्षत भार्गव,मोहित खिंची,अक्षय यादव, गौरव मराठा,नीतिराज सिंह,पंकज सतिदासानी, लकी मराठा,गरिमा नागदा, हेमलता कुमावत, दीपांशु ग्वाला, अनिल धनगर ,देव्यांशु खेरालिया, विनायक भाटी,नितिन देवनानी,फलांश,पीयूष दिवाकर, देवेंद्र बैरागी,अभिषेक सेठिया आदि ने अपनी शुभकामनाये दी यह जानकारी अंकुर त्रिपाठी ने दी।

एबीवीपी के प्रांतीय अधिवेशन के लिए भूमिपूजन सम्पन्न

23 से 26 दिसंबर तक नीमच में आयोजित होगा सम्मेलन, 1200 प्रतिनिधि होंगे शामिल

नीमच, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 57 वा प्रांत अधिवेशन 23 दिसंबर से 26 दिसंबर को नीमच नगर के स्वामी विवेकानंद पीजी कॉलेज में आयोजित होने जा रहा है। जिसको लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा सम्मेलन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। रविवार को मार्गशिष शुक्ल पक्ष पूर्णिमा दोपहर 2:00 बजे संपूर्ण वैदिक विधि विधान से आयोजन स्थल पर तैयारियों का भूमिपूजन किया गया। इसी के साथ ही कार्यक्रम स्थल पर पंडाल सहित लगाने का काम भी शुरू हो गया है।

बता दें कि मालवा प्रांत का 57वां प्रांत अधिवेशन नीमच नगर में सम्पन्न होने जा रहा है। अधिवेशन के लिए स्वागत समिति का गठन किया गया है। जिसकी देखरेख और मार्गदर्शन ने सम्मेलन की तैयारियां की जा रही हैं। सम्मेलन के लिए देवी अहिल्या बाई होलकर नगर, पी.जी. कॉलेज नीमच के पीछे स्थित ग्राउण्ड में भूमिपूजन किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि धन्वतरील पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर परम् पूज्य संत श्री श्री 1008 सुरेशानंद सरस्वती (गुरुजी निपानिया), विशेष उपस्थिती निलेश जी सौलंकी, (अखिल भारतीय

जनजाति कार्य सह प्रमुख), स्वागत समिति के सचिव महेन्द्र भटनागर, नीमच विधायक दिलीपसिंह परिहार, प्रहलाद गर्ग (दड़ौली वाले) द्वारा भूमिपूजन किया गया। इस दौरान सी एम धाकड़, ललित ग्वाला, विश्वास खंडेलवाल, हेमेंद्र शर्मा, बबलू विश्वदेव शर्मा सहित विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रदर्शनी उद्घाटन से होगी शुरुआत–जानकारी के अनुसार सम्मेलन में 1200 प्रतिनिधि भाग लेंगे। वे 23 दिसंबर की शाम तक नीमच पहुंचेंगे। 24 दिसंबर को उद्घाटन से सम्मेलन की शुरुआत होगी। इसमें संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारी सहित अन्य अतिथि शामिल होंगे और उनका संबोधन होगा। प्रदर्शनी उद्घाटन के साथ अधिवेशन प्रारंभ होगा। अधिवेशन नगर का नाम मातोश्री अहिल्याबाई होलकर होगा। जिस सभागार में सत्र आयोजित किए जा रहे हैं उसका नाम महर्षि सांदीपनि सभागार रखा गया है। विद्यार्थी परिषद के कार्य एवं भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित प्रदर्शनी का नाम प्रसिद्ध पुरातत्व विधि डॉक्टर विष्णु श्रीधर वाकणकर के नाम से रखा गया है। अधिवेशन आयोजन के दौरान शोभायात्रा निकाली जाएगी। अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य विभिन्न प्रकार के नए प्रयोग के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय इतिहास को प्रदर्शित करना है।अधिवेशन में विद्यार्थी परिषद द्वारा शैक्षणिक और सामाजिक विषयों पर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। वैचारिक विमर्श पर कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन मिलेगा। ताकि वे समाज और राष्ट्र की सेवा में और भी प्रभावी भूमिका निभा सकें।

ब्रह्मशक्ति जिला ब्राह्मण समाज की बैठक संपन्न

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। ब्रह्मशक्ति जिला ब्राह्मण समाज की मासिक बैठक रविवार 15 दिसंबर को महारानी लक्ष्मीबाई चौराहा स्थित चौबीसा ब्राह्मण समाज की धर्मशाला पर संपन्न हुई जिसमे सर्व ब्राह्मण समाज के बंधु उपस्थित थे बैठक स्वस्ति वाचन के साथ प्रारंभ हुई बैठक में अध्यक्ष प.दिलीप दुबे द्वारा आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई तथा समाज की एकता को कैसे मजबूती मिले इसको लेकर समाज के गणमान्य बंधुओं ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए जिनके सुझावों को ध्यान में रखकर कार्य योजना बनाई गई श्री दुबे ने बताया की समाज के सभी बंधुओ का साथ लेकर ही हम हर कार्य करेंगे सभी बंधुओं की सहमति से हमारा ब्रह्म शक्ति ब्राह्मण समाज आगामी दिनों में मंदिर दर्शन कार्यक्रम करने जा रहा है जो 29 दिसंबर को होगा यह मंदिर दर्शन यात्रा भगवान पशुपतिनाथ मंदिर से प्रारंभ होगी तथा आगामी 2 जनवरी 2025 की तिथि तृतीया को परशुराम वाटिका में भगवान परशुराम की महाआरती करने की योजना बनी है जो प्रत्येक माह की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को होवेगी तथा 12 जनवरी 2025 को परशुराम धाम धारियाखेड़ी में ब्रह्म सम्मेलन का कार्यक्रम किया जायेगा बैठक में तय किया गया की आगामी बैठक 19 जनवरी 2025 रविवार को शुक्ला ट्यूटोरियल पर की जावेगी बैठक में समाज बंधु विनोद कुमार तिवारी का जन्मदिन पुष्पहार पहना कर मनाया गया उक्त बैठक में गोपाल कृष्ण पंचारिया,डा क्षितिज पुरोहित,सुरेश चंद्र शर्मा, विनोद तिवारी,मुकेश (सावन) शर्मा,कमलेश नागदा,राजेश शुक्ला, प.सुनील पंचारिया, प. जितेंद्र व्यास, नानालाल शर्मा देहरी,अखिलेश अवस्थी सहित कई समाजजन उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन गोपालकृष्ण पंचारिया ने किया व आभार सनत जोशी ने माना

पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के निर्वाचन का कार्य प्रारंभ

मंदसौर, 15 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के निर्वाचन समिति के संयोजक पुरुषोत्तम शिवानी, सदस्य गिरधारीलाल (काऊ) जजवानी, ललित माखीजा (एडवोकेट), रमेश सतीदासानी, राजेश ज्ञानानी ने पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के चुनाव नियमावली के नियम क्रमांक 21 के तहत आगामी 3 तीन वर्षों के लिए अध्यक्ष पद हेतु विधिवत निर्वाचन कार्यक्रम घोषित करते हुए एक प्रेस विज्ञप्ति में बतलाया कि सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया को सम्पादित करने हेतु श्री झूलेलाल सिन्धु महल वीर सावरकर सेतु पम्प हाउस के पास 16 दिसम्बर 2024 से 5 जनवरी 2025 तक अस्थाई चुनाव कार्यालय बनाया गया है वहीं पर सम्पूर्ण निर्वाचन कार्य होंगे। निर्वाचन कार्यक्रम के अन्तर्गत अभ्यर्थी 16 दिसंबर से 20 दिसंबर तक सायं 4 से 6 बजे तक निर्वाचन फार्म एवं निर्वाचन नामावली 10 रू. निर्धारित राशि जमा कर प्राप्त कर सकते हैं यह राशि वापसी नहीं की जावेगी। अभ्यर्थियों के नियोजन पत्र भरकर देने का दिनांक 20 दिसम्बर शुक्रवार सायं 4 बजे से 6 बजे तक निर्धारित राशि 2100 रू. जमाकर निर्वाचन अधिकारी के समक्ष पेश कर सकते हैं। उक्त राशि किसी भी दशा में वापसी नहीं की जावेगी। उसी दिन यानी 20 दिसम्बर को सायं 6.30 बजे से 7 बजे तक प्राप्त नियोजन पत्र की जांच कर अन्तिम सूची का प्रकाशन किया जाएगा। विज्ञप्ति में बताया कि अभ्यर्थी तीन दिन यानी 21 दिसम्बर से 23 दिसम्बर 2024 तक सायंकाल 4 बजे से 6 बजे तक नाम वापसी कर सकते हैं। एक से अधिक अभ्यर्थी होने की दशा में दिनांक 5 जनवरी 2025 रविवार को सुबह 9.30 बजे से सायं 4 बजे तक मतपत्र के माध्यम से मतदान कर सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।
फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in